

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:340। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 31 जुलाई 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

16 राज्यों में भारी बारिश बनी आफत

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड । घरों में मलबा घुसा । गाड़ियां बही । असम में बाढ़ से अब तक 78 की मौत

एजेंसी

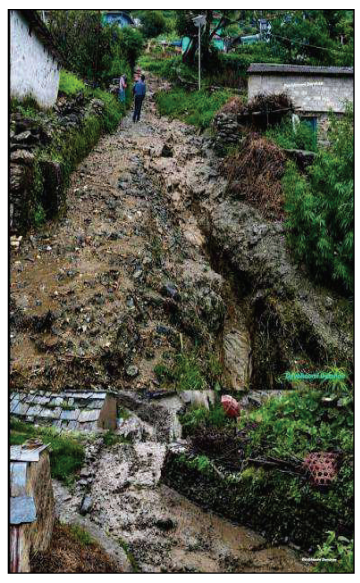
भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 16 राज्यों में भारी बारिश हो रही है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204mm से ज्यादा बारिश।

उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है। इसके बाद कई घरों में मलबा घुस गया, गाड़ियां बह गईं। पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िये को SDRF टीम ने बहने से बचा लिया। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है और तीन लाख से ज्यादा लोग अभी भी जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।



● छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में बहे दंपती का शव और उनकी कार 4 दिन बाद मिले।



बारिश का कहर

- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में पहाड़ी से बोल्डर गिरने से एक कार दब गई
- उत्तराखंड में उत्तरकाशी के स्याना चट्टी क्षेत्र में बड़ा पत्थर सड़क पर आ गिरा।
- देहरादून की जाखन नदी में बही 12 साल की बच्ची की जान फौजी और तीन युवकों ने बचाई।
- यूपी के बलिया में सरयू के किनारों पर हो रहे कटाव से 2 मकान नदी में समा गए।
- राजस्थान के चूरू में गुरुवार सुबह तेज बारिश के बाद बाजारों में 3 फीट तक पानी भर गया।
- राजस्थान के प्रतापगढ़ में तेज बारिश के बाद सड़कों पर पानी भरा।
- तेलंगाना के 5 जिलों में रेड अलर्ट, साइबराबाद में वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी

215 कुलपति और शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को लिखा पत्र

● प्रो. कामकोटि पर की गई टिप्पणी पर जताई आपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की कथित टिप्पणी को लेकर देश के 215 कुलपतियों, पूर्व कुलपतियों और शिक्षाविदों ने नाराजगी जताई है। इन सभी ने प्रियंका गांधी को एक खुला पत्र लिखकर वैज्ञानिक सोच, अकादमिक गरिमा और सार्वजनिक विमर्श के मानकों को बनाए रखने की अपील की है। खुले पत्र की शुरुआत में कहा गया कि भारत की संसद हमेशा से एक ऐसा मंच रही है जहां विचारों पर बहस हो, असहमति गरिमा के साथ व्यक्त की जाए और व्यक्तियों को उनके तर्कों की शक्ति से आंका जाए। इसी भावना के साथ पत्र में प्रियंका गांधी के प्रो. वी. कामकोटि को 'गौमूत्र विशेषज्ञ' कहे जाने की टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की गई। पत्र में लिखा गया कि चाहे यह टिप्पणी व्यंग्य में की गई हो या राजनीतिक बयानबाजी के रूप में, लेकिन इससे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि उससे कहीं बड़ी चिंताएं जुड़ी हैं। पत्र में प्रो. कामकोटि की शैक्षणिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि प्रो. कामकोटि देश के अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी मद्रास के प्रमुख हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में एम.एस. और पीएच.डी. की डिग्री ली है। उनके नाम 150 से अधिक शोध पत्र और 50 से अधिक आर एंड डी प्रोजेक्ट्स हैं। उन्हें डीआरडीओ अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन टेक्नो विजनरी अवार्ड सहित कई सम्मान प्राप्त हैं। वे भारत के पहले उद्योग-स्तरीय माइक्रोप्रोसेसर के पीछे मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। पत्र में कहा गया कि 'निःसंदेह वे देश के शीर्ष तकनीकी मस्तिष्कों में से एक हैं।' पत्र में कहा गया कि हर शिक्षाविद की तरह प्रो. कामकोटि को भी परिकल्पनाएं प्रस्तुत करने, पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने और वैज्ञानिक वार्तालापों में भाग लेने का अधिकार है। किसी विद्वान को लेबल लगाकर खारिज करने के बजाय उनके विचारों की विषय-वस्तु पर चर्चा न करना, उस वैज्ञानिक सोच को ही कमजोर करता है जिसे हमारा संविधान हर नागरिक में विकसित करने का आह्वान करता है।



पत्र में यह भी कहा गया कि ऐसी टिप्पणियों से देश के शैक्षणिक और शोध समुदाय में गलत संदेश जाता है। हमारे वैज्ञानिकों, विद्वानों और शिक्षकों को यह भरोसा होना चाहिए कि वे सार्वजनिक बहस में बिना किसी अपमानजनक लेबल के डर के भाग ले सकते हैं। आगे पत्र में लिखा गया, 'उनके तर्कों की आलोचना कीजिए, उनके साक्ष्यों को चुनौती दीजिए, प्रमाण के उच्च मानकों की मांग कीजिए, लेकिन स्वयं स्कॉलर को छोटा मत कीजिए। लोकतंत्र में असहमति जरूरी है। उपहास, तर्कसंगत जुड़ाव का विकल्प नहीं हो सकता।' पत्र के अंत में कहा गया कि सार्वजनिक प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय विमर्श की गुणवत्ता पर बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जब जटिल वैज्ञानिक सवाल राजनीतिक उपहास का विषय बन जाते हैं, तो समाज सूचित बहस का अवसर खो देता है। पत्र लेखकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में बहसें, विशेषकर संसद के भीतर, इन मूल्यों को दर्शाएंगी।

'सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं होगा'

पुलिस ने 13 एफआईआर दर्ज की थीं । जिनका क्रिमिनल रिकॉर्ड । उनपर एक्शन होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने गुरुवार को कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस ने एक बयान में कहा है कि 29 जुलाई की शाम 6 बजे तक NEET (UG) परीक्षा में अनियमितताओं से जुड़े प्रदर्शन को लेकर 13 FIR दर्ज की गई थीं।

सरकार के आदेश के अनुसार, जिन लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने कहा कि जिन लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। सरकार ने यह भी कहा कि इस मामले को अब बंद माना जाएगा और भविष्य में इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी।



अबतक 4 राज्य सरकारें NEET-UG 2026 पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले और FIR वापस लेने की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें असम, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली शामिल हैं। बिहार पुलिस ने 26 जुलाई की शाम 6 बजे तक दर्ज सभी मामले वापस लेने का ऐलान किया था।

● दिल्ली पुलिस का दावा- प्रदर्शनकारियों में रेपिस्ट-डकैत भी शामिल थे

दिल्ली पुलिस फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (FCR) के जरिए जंतर मंतर पर प्रोटेस्ट करने वालों की पहचान की। दिल्ली पुलिस की जांच में दावा किया गया है कि जांच में 2,873 लोगों का वैरिफिकेशन हुआ। इनमें से 989 पर हत्या, डकैती, लूट, रेप से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक जांच में 101 लोग हत्या, 62 हत्या के प्रयास, 284 लूट-डकैती, 229 आर्म्स एक्ट, 135 स्नैचिंग, 19 अपहरण और 67 NDPS एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपी पाए गए। इसके अलावा 61 लोगों के खिलाफ रेप, 25 के खिलाफ महिलाओं से छेड़छाड़ और 6 लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामले दर्ज पाए गए।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने री-नीट परिणामों को चुनौती देने वाली चार याचिकाएं की खारिज

लगाया जुर्माना



एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। बॉम्बे हाईकोर्ट की छत्रपति संभाजीनगर बेंच ने गुरुवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित री-नीट के नतीजों को चुनौती देने वाली चार याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एनटीए द्वारा घोषित परिणाम सही हैं और इनमें कोई गड़बड़ी नहीं मिली। कोर्ट ने गलत आरोपों के साथ कोर्ट का समय बर्बाद करने पर हर याचिकाकर्ता पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया। जस्टिस एन. बी. सूर्यवंशी और जस्टिस ए. डी. शिंदे की डिवीजन बेंच ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि री-नीट के नतीजे गलत घोषित किए गए हैं और उनकी आंसर शीट का मूल्यांकन ठीक से नहीं हुआ है। खारिज की गईं चार याचिकाओं में रिट याचिका संख्या 8384/2026 - ऋचा (पिता प्रफुल्ल देशपांडे) बनाम भारत संघ और अन्य, याचिका संख्या 8403/2026 - सोहम (पिता नितिन गवते) बनाम भारत संघ और अन्य, याचिका संख्या 8420/2026 - अथर्व (पिता नरेंद्र जगताप) बनाम भारत संघ और अन्य तथा याचिका संख्या 22172/2026 - राहुल (पिता अरुणा नाग) बनाम भारत संघ और अन्य शामिल हैं।

9 से 17 अगस्त तक राजस्थान में चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

एजेंसी

जयपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' भी मनाया जाएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सभी विभागों को अभियान का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करते हुए अधिकाधिक जनभागीदारी पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान के दौरान ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, स्वतंत्रता सेनानियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजन की सहभागिता से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इन आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैलियां, 'वंदे मातरम्' सामूहिक गायन, तिरंगा कन्सर्ट, साइकिल एवं ई-बाइक रैलियां, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन एवं योगदान पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी विशेष गतिविधियां होंगी।



सुप्रीम कोर्ट बोला-पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

दिल्ली सरकार को आदेश । केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात RAF के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही लागू किया गया ई20 पेट्रोल

पुराने वाहनों पर भी नहीं मिला कोई बड़ा नकारात्मक असर: सरकार

एजेंसी

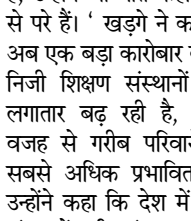
नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद में स्पष्ट किया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) को देश भर में चरणबद्ध तरीके से लागू करने से पहले व्यापक वैज्ञानिक परीक्षण, फील्ड ट्रायल और सभी संबंधित पक्षों से विस्तृत परामर्श किया गया था। सरकार का कहना है कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल पुराने और नए दोनों प्रकार के वाहनों के लिए सुरक्षित है। लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम),



इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ वैज्ञानिक और परामर्श आधारित प्रक्रिया के बाद लागू किया गया। मंत्री ने बताया कि ई20 ईंधन लागू करने से पहले एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल (आईओसीएल), आईआईपी और वाहन निर्माताओं ने व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण और वास्तविक परिस्थितियों में फील्ड ट्रायल किए। इन परीक्षणों में इंजन की मजबूती, ड्राइविंग प्रदर्शन, स्टार्ट होने की क्षमता, जंग-रोधी क्षमता, विभिन्न पुर्जों की अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई। सरकार के अनुसार, इन सभी अध्ययनों में यह पुष्टि हुई कि निर्धारित मानकों के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल पूरी तरह सुरक्षित है। सरकार ने कहा कि परीक्षणों में यह भी पाया गया कि पुराने वाहनों के प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आई और न ही इंजन या अन्य पुर्जों में असामान्य घिसावट देखने को मिली।

सरकार ने माना- ई-20 पेट्रोल से बीएस-3 गाड़ियों को नुकसान

राज्यसभा में गडकरी बोले- कुछ रबर पार्ट्स बदलने पड़ सकते हैं, इंजन बदलने की जरूरत नहीं



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पहली बार माना कि ई-20 पेट्रोल (20फीसदी एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) इस्तेमाल करने से गाड़ियों को नुकसान पहुंच सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- बीएस-3 मानक वाली कुछ पुरानी गाड़ियों में ई-20 के कारण कुछ रबर पार्ट्स और गैस्केट बदलने पड़ सकते हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर संसद में विपक्ष का हंगामा

● विपक्ष ने गृह मंत्री से मांगा जवाब

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के सांसदों ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में विस्तृत जवाब देने, जांच रिपोर्ट पेश करने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि विपक्ष इस मामले पर चर्चा चाहता है, लेकिन केवल चर्चा से समस्या का समाधान नहीं होगा। जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। कुछ छात्रों के शरीर से छर्रे (पेलेट्स) निकाले गए हैं और मेडिको-लीगल रिपोर्ट (एमएलसी) में धातु के टुकड़ों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने झारखंड की एक छात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि उसकी चोटें बेहद गंभीर हैं। देश के युवाओं को आंसू गैस और लाठीचार्ज का सामना क्यों करना पड़ा और गृह मंत्री को स्वयं संसद में आकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट पर सीसीएस की बैठक

मोदी ने नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

● सरकार ने बताया कि चुनिंदा पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक पर अस्थायी रूप से सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) से छूट दी गई थी।

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद स्थित अपने कार्यालय में कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। मीटिंग में शामिल अन्य मंत्रियों में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, यह मीटिंग पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की ऊर्जा और ईंधन आपूर्ति पर इसके असर की समीक्षा करने के लिए बुलाई गई थी। होर्मुज जलडमरूमध्य अभी बाधित है, जिसके कारण वैश्विक बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी हो गई है और कीमतें बढ़ गई हैं।



इस क्षेत्र में कमर्शियल जहाजों पर हमलों के कारण स्थिति और जटिल हो गई है। भारतीय नाविकों की मौत भी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है और सरकार ने ईरान और अमेरिका के साथ यह मुद्दा उठाया है। सरकार ने इस सप्ताह संसद को सूचित किया कि उसने पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के बावजूद ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण औद्योगिक इनपुट की उपलब्धता सुनिश्चित करने, इनपुट लागत के दबाव को कम करने, व्यापार को सुविधाजनक बनाने, औद्योगिक गतिविधियों का समर्थन करने और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता की रक्षा के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने गैस की सुनिश्चित आपूर्ति, आयात स्रोतों में विविधता, अग्रिम खरीद और बफर स्टॉक के रखरखाव के माध्यम से उर्वरकों और अन्य आवश्यक कृषि इनपुट की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की है। पश्चिम एशिया में हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं ने दुनियाभर के देशों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, जिसका कच्चे तेल का आयात करने वाली उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा असर पड़ा है। इस संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिससे भारत के लिए कच्चे तेल का आयात बिल बढ़ गया है।

शिक्षा को कारोबार बनाने का आरोप

मनुस्मृति के उल्लेख पर राज्यसभा में हंगामा

'यदि किसी सदस्य को आपत्ति है तो उस पर विचार किया जाएगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार की शिक्षा नीति पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण शिक्षा एक बड़े कारोबार में बदल गई है और इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब परिवारों के बच्चों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मनुस्मृति का उल्लेख किया और कहा कि शिक्षा में वंचित वर्गों के साथ भेदभाव किया जाता था। मनुस्मृति का उल्लेख किए जाने पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा हो गया। खड़गे के इस वक्तव्य पर नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, 'अभी नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो वक्तव्य दिया है, उससे समाज में द्वेष की भावना पैदा होती है और अशांति का वातावरण बनता है। हम सभी इस सदन के जिम्मेदार



सदस्य हैं। जहां तक मेरी जानकारी है, उन्होंने जो बातें कही हैं, वे तथ्यों से परे हैं।' खड़गे ने कहा कि शिक्षा अब एक बड़ा कारोबार बन चुकी है। निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और इसकी वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या 70,000 से अधिक है, जिनमें लगभग 4 करोड़ 50 लाख छात्र अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों का नामांकन आज भी राष्ट्रीय औसत से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांग छात्रों की भागीदारी केवल 0.12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति उस सोच का प्रतीक है, जो शिक्षा को सबका अधिकार नहीं बल्कि कुछ लोगों का विशेषाधिकार मानती है। उनके अनुसार सरकार की नीतियां बार-बार उस मनुवादी सोच की याद दिलाती हैं, जिसका उल्लेख मनुस्मृति में मिलता है। इसके बाद खड़गे ने कहा कि वह मनुस्मृति का एक श्लोक पढ़ना चाहते हैं, लेकिन संस्कृत अच्छी तरह नहीं पढ़ पाने के कारण उसका हिंदी अनुवाद पढ़ेंगे। जैसे ही उन्होंने इसका उल्लेख शुरू किया, सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विरोध जताना शुरू कर दिया और सदन में शोर-शराबा होने लगा।

हदाद पोस्ट ऑफिस इलाके में फर्जी डॉक्टर पकड़े गए, SOG पुलिस ने कार्रवाई का ड्रामा किया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। हदाद और दांता तालुका में फर्जी और अयोग्य डॉक्टरों की बाढ़ सी आ गई है, लेकिन पालनपुर स्क्वॉड ने सिर्फ एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार करके कार्रवाई की है। दांता और हदाद तालुका में जो डॉक्टर 300 से ज़्यादा लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, इस मामले के लिए दांता का ज्ञ।ह भी ज़िम्मेदार है। जब अधिकारी,ष्ट ऑफिस में बैठकर ठंडी हवा में सांस ले रहे हैं, जब दांता, हदाद, जीतपुर, कुवारसी, नववास मंडली और मांकडी में ऐसे फर्जी और अयोग्य डॉक्टर जिनकी बात तक नहीं होती, खुलेआम अस्पताल बनाकर बोतलें चढ़ाकर भर्ती करने का इंतज़ाम किया गया है और वे सेहत से खिलवाड़ करते हैं और हर दिन गरीब लोगों से हज़ारों रुपये वसूलते हैं। जब पालनपुर से,स्क्वॉड टीम कुवारसी आई और एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार करके सिर्फ़ ड्रामा के तौर पर कार्रवाई की, लेकिन लोकल पुलिस ने ऐसा कुछ नहीं किया। ऐसा लगता है कि सरकार फर्जी डॉक्टरों की तरफ़ से आँखें मूंद ली हैं, जैसे वे हर साल लाखों की किश्तें तय कर रहे हों। अगर बनासकांठा स्क्वॉड कार्रवाई करना चाहे तो दांता तालुका और हदाद तालुका में 300 से ज़्यादा फर्जी डॉक्टर मुन्नाभाई बनकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर कार्रवाई करनी है तो 300 से ज़्यादा फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई की जा सकती है। जब एक डॉक्टर पर कार्रवाई करके मिसाल कायम की गई है तो ऐसा लगता है कि लाखों रुपये महीने की कमाई तय की गई है। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या बड़े अधिकारी दांता हदाद तालुका में चल रहे फर्जी अस्पतालों और डॉक्टरों पर कार्रवाई करेंगे या फिर वे लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले डॉक्टरों का मज़ाक उड़ा रहे हैं। अब देखना यह है कि सिस्टम फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई करेगा या फिर वे उनके आशीर्वाद से काम करते रहेंगे।

'बंद आंगनवाड़ी में बच्चों का अनाज खुले में फेंका गया! मॉनसून में भीग रहा है - यही है सरकार की 'पोषण शक्ति'?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। फोटो में दिख रहे सीन शर्मनाक हैं। आंगनवाड़ी का अनाज बंद आंगनवाड़ी के दरवाज़े के सामने खुले में फेंका गया है। मॉनसून चल रहा है और कट्टे बारिश में भीग रहे हैं। इन कट्टों में मातृ शक्ति, बाल शक्ति, पूर्ण शक्ति और गेहूं/आटे के कट्टे हैं - यानी बच्चों और गर्भवती माताओं का नाश्ता। सिस्टम से पूछने के लिए कड़े सवाल

1. ज़िम्मेदारी किसकी? आंगनवाड़ी बंद होने पर कट्टे को खुले में फेंकने का हक कॉन्ट्रैक्टर को किसने दिया? सुपरवाइजर और CDPO की ज़िम्मेदारी पर सवाल?

2. सेहत से खिलवाड़? अगर बारिश में भीगे और कीड़े लगे अनाज से बच्चे बीमार पड़ते हैं तो कौन ज़िम्मेदार है? क्या यह बच्चों की सेहत से खिलवाड़ नहीं है?

3. कॉन्ट्रैक्टर की मनमानी क्यों? नियम के मुताबिक, आंगनवाड़ी वर्कर के रजिस्टर में साइन होने के बाद ही उसे मात्रा दी जानी चाहिए। तो क्या यह लापरवाही कॉन्ट्रैक्टर के घोटाले की वजह से है या प्रशासन की मिलीभगत की वजह से? डीसा का घोटालेबाज कौन है? वह भी बिना भगवान के डर के।

वडोदरा में भारी बारिश का रेड अलर्ट पूर्वानुमान कल सभी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। मौसम विभाग द्वारा आने वाले समय में वडोदरा शहर और पूरे जिले में भारी से बहुत भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला कलेक्टर डॉ. अनिल धमेलिया ने महत्वपूर्ण निर्णय और दिशा-निर्देश जारी किए हैं। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कल, शुक्रवार, 31 जुलाई, 2026 को वडोदरा शहर और सभी तालुकाओं में शैक्षणिक कार्य बंद रखने का स्पष्ट आदेश दिया गया है। इस आदेश के तहत, निम्नलिखित सभी शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे सभी आंगनवाड़ी, सरकारी, अनुदानित और निजी प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सभी आई.टी.आई. इंस्टिट्यूशन, शहर और जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट कॉलेज

कलेक्टर की लोगों की सुरक्षा के लिए खास अपील

बारिश की गंभीर स्थिति और बाढ़ के खतरे को ध्यान में रखते हुए, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने लोगों के लिए ज़रूरी एहतियाती निर्देश जारी किए हैं बेवजह बाहर न निकलें लोगों से कहा गया है कि वे ज़रूरी काम के अलावा अपने घरों से बाहर न निकलें और सुरक्षित जगहों पर रहें।, पानी के जमाव और नदियों और नालों से दूर रहें बढ़ते हुए नदियों और नालों, पुलों या निचले इलाकों से न गुज़रें।, मछली पकड़ने की एक्टिविटी पर रोकः नदियों, झीलों या पानी की जगहों के किनारे न जाएं और मछली पकड़ने की सभी एक्टिविटी रोक दें। टूटे-फूटे घरों या बहुत खतरनाक निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित जगह या एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा तय शेल्टर में जाने की रिक्वेस्ट की गई है।

डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम अलर्ट मोड पर

बारिश के मौसम से निपटने के लिए जिले के डिजास्टर मैनेजमेंट सिस्टम और राहत और बचाव टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। किसी भी इमरजेंसी में लोगों की मदद के लिए डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम चालू कर दिया गया है। लोगों से कहा गया है कि वे अफवाहों से दूर रहें और सिर्फ़ सिस्टम से मिले ऑफिशियल निर्देशों का पालन करें।

भावनगर की नदियों, नहरों और ग्रामीण इलाकों में प्राकृतिक संसाधनों की बेलगाम लूट

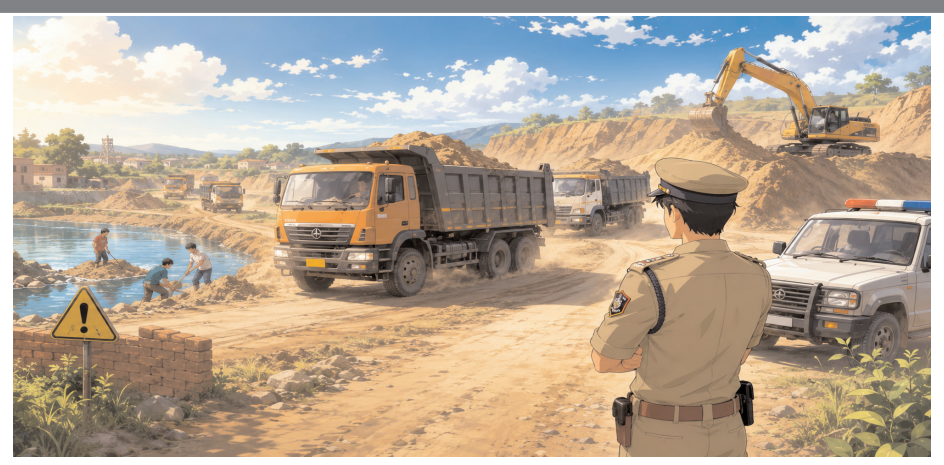
भावनगर में बेलगाम मिनरल माफिया के आगे सिस्टम बेबस! क्या SP नितेश पांडे मौत के सौदागरों का पर्दाफाश करेंगे?

दिन-रात चलने वाले बेलगाम डंपर और अवैध माइनिंग से गांव वाले परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

भावनगर। भावनगर जिला और उसके आसपास के ग्रामीण इलाके इस समय मिनरल माफिया के कब्जे में लगते हैं। शेत्रुंजी नदी के किनारों से लेकर दूर-दराज के इलाकों तक, बेलगाम मिनरल चोर बिना देखे दिन-रात प्राकृतिक संसाधनों की चोरी कर रहे हैं। साबरमती रेत और दूसरे मिनरल्स की करोड़ों रुपये की गैर-कानूनी माइनिंग जियोलॉजी एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट और लोकल पुलिस सिस्टम की आंखों के सामने हो रही है, फिर भी सिस्टम बेबस और मूक दर्शक बनकर तमाशा देख रहा है। मौत के ये सौदागर न सिर्फ मिनरल्स चुरा रहे हैं, बल्कि ओवरलोडेड डंपर्स और लापरवाह गाड़ी चलाने वालों से मासूम लोगों की जान भी खतरे में डाल रहे हैं। माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की चुप्पी और बदमाशों की मिलीभगत? स्थानीय लोगों के मुताबिक, गैर-कानूनी माइनिंग की शिकायतें बार-बार टॉप लेवल पर की गई हैं। लेकिन, सिर्फ नाम के छापे मारकर या मामूली जुर्माना लगाकर संतोष मान लिया जाता है।

ज्वलंत सवालः करोड़ों रुपये का काला धंधा चलाने वाले इन मिनरल माफियाओं को किसका पॉलिटिकल या



वहीवटदार सपोर्ट मिला हुआ है? क्या इतनी बड़ी काली कमाई का साम्राज्य बिना माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के चल सकता है? रामनगर के लोगों के लिए नरक जैसी हालत गैर-कानूनी तरीके से भरे ओवरलोडेड डंपर गांव की छोटी सड़कों से पूरी स्पीड से गुजरते हैं। जिससे सड़कें न सिर्फ पूरी तरह खराब हो गई हैं, बल्कि लगातार हादसे भी हो रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, मवेशी चराने वाले और लोकल ड्राइवर हर दिन धक्के खाते हुए अपने घरों से निकलने को मजबूर हैं।

जनता को SP नितेश पांडे से बहुत उम्मीद है!

भावनगर में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जाने जाने वाले सख्त और निडर IPS अधिकारी SP नितेश पांडे की मौजूदगी से अपराधियों में दहशत है। अब जनता की निगाहें जिला पुलिस प्रमुख SP नितेश पांडे पर हैं।

क्या SP नितेश पांडे मिनरल माफिया के सिंडिकेट को खत्म करेंगे?

क्या मौत के सौदागरों के इस नेटवर्क का पर्दाफाश करके उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा? क्या पुलिस विजिलेंस टीम माइनिंग और मिनरल चोरी में शामिल अवैध कब्जा करने वालों पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगी? भावनगर की जागरूक जनता अब मांग कर रही है कि पुलिस सिस्टम इन माफियाओं के खिलाफ PASA और GUCCTOC जैसे सख्त कानूनों के तहत केस दर्ज करके कड़ी कार्रवाई करे, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की लूट रुके और आम आदमी सुरक्षित महसूस करे।

31 जुलाई से दो दिन के लिए AMC के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी कैंसिलः म्युनिसिपल कमिश्नर ने लोगों से दो दिन घर से काम करने की अपील की, कल आंगनवाड़ी से स्कूल-कॉलेज में छुट्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की कल 31 जुलाई और 1 अगस्त की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं। बहुत ज़्यादा भारी बारिश के अनुमान को देखते हुए म्युनिसिपल कमिश्नर बंछानिधि पानी ने लोगों से दो दिन घर से काम करने की अपील की है। लोगों को घर पर ही रहना होगा और मौसम विभाग का अनुमान और ट्रैफिक पुलिस के अपडेट देखते रहना होगा। शहर से डरावने होर्डिंग्स हटा दिए गए हैं। लोगों से अपील है कि वे पेड़ों और बड़े होर्डिंग्स के नीचे न खड़े हों।

अहमदाबाद में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित

भारी बारिश के कारण मौसम विभाग ने शहर में रेड अलर्ट घोषित किया है, वहीं अहमदाबाद शहर के ष्ठश्वह्य रोहित चौधरी ने कहा कि मौसम विभाग ने कल के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है, जिसे ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद जिले की कलेक्टर भव्या वर्मा से सलाह करके उन्होंने हमें स्टूडेंट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कल छुट्टी घोषित करने के निर्देश दिए हैं।

स्टूडेंट्स की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए छुट्टी का फैसला

अहमदाबाद शहर के सभी एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन, आंगनवाड़ी से लेकर स्कूल और कॉलेज तक, स्टूडेंट्स की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए छुट्टी का फैसला किया है। हमने अहमदाबाद शहर के सभी स्कूलों को बता दिया है कि स्टूडेंट्स कल पढ़ाई के काम के लिए स्कूल नहीं



आएंगे, क्योंकि स्टूडेंट्स की सेफ्टी रखना बहुत ज़रूरी है।

सतर्क रहना भी ज़रूरी है

कल रेड अलर्ट है। हो सकता है कि मौसम विभाग का अनुमान, अगर सच हुआ, तो बहुत बड़ा हो। हमें मौसम को गंभीरता से लेने और सतर्क रहने के लिए कहा गया है, इसी को ध्यान में रखते हुए छुट्टी का ऐलान किया गया है।

30 साल के राज के बाद DEO सर को आज पता चला? टीचरों की गैर-कानूनी ट्यूशन क्लास पर वहीवटदार आंखें क्यों मूंदे हुए है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गुजरात। एजुकेशन की दुनिया से एक और बड़ा धमाका और एडमिनिस्ट्रेशन की लाचारी सामने आई है। 30 साल के राज और एडमिनिस्ट्रेशन के बाद भी क्या डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर ऑफिस गहरी नींद में है? पूरा शहर इस सच्चाई से वाकिफ है कि स्कूल टीचर नियमों के खिलाफ़ प्राइवेट ट्यूशन क्लास चला रहे हैं, लेकिन क्या यह हैरानी की बात है कि DEO सर को यह बात आज ही पता चली है?

SOP और सरकारी नियमों के मुताबिक, स्कूल में ड्यूटी पर तैनात कोई भी टीचर प्राइवेट ट्यूशन या कोचिंग इंस्टिट्यूट नहीं चला सकता और न ही पढ़ा सकता है। यह कानून साफ़ है, फिर भी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

शिकायतों का ढेर, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं!

स्थानीय लोग और जागरूक नागरिक बार-बार सबूतों के साथ लिखित शिकायतें देकर थक चुके हैं। DEO ऑफिस में एप्लीकेशन का ढेर लग रहा है, लेकिन ज़िम्मेदार अधिकारियों का दिल नहीं पसीज रहा।

एक ज्वलंत सवालः जब आम नागरिक और माता-पिता सबूतों के साथ शिकायत पत्र देते हैं, तो सिस्टम इन टीचरों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं करता? क्या इस चुप्पी के पीछे कोई 'बड़ा फ़ाइनेंशियल फ़ायदा' है या ज़िम्मेदारों को तय करना है?

छात्रों और अभिभावकों का शोषण

स्कूल में ठीक से न पढ़ाना और अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों पर अपनी या अपने रिश्तेदारों की ट्यूशन क्लास में जाने का दबाव डालना–यह आज एक



खुला धंधा बन गया है। सरकारी और ग्रांटेड स्कूलों से सैलरी पाने वाले टीचर प्राइवेट ट्यूशन से लाखों रुपये कमा रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग सिर्फ़ सर्कुलर चिपकाकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच रहा है।

'महनगर मेट्रो' प्रशासन से सीधे सवाल

1. क्या DEO ऑफिस में बैठे अधिकारी अपने ही नियम लागू करने से डरते हैं?

2. क्या कागज़ पर बने कानून सिर्फ़ आम लोगों के लिए होते हैं? नियम तोड़ने वाले टीचरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी?

3. बार-बार की शिकायतों को बेकार कागज की तरह धूल फांकने क्यों दिया जाता है?

अब देखना यह है कि सोया हुआ शिक्षा विभाग और ष्ठश्वह्य सर इस रिपोर्ट के बाद जागते हैं और गैर-कानूनी ट्यूशन चलाने वाले टीचरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हैं या फिर 'बहुत बड़े फायदे' के भ्रम में इसी तरह आंखें मूंद लेते रहेंगे!

5 रुपये के बिस्किट पर गारंटी, तो करोड़ों की सड़कों पर चोरी क्यों? 'QR कोड' बोर्ड लगाओ, भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करो!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। जब कोई आम नागरिक किसी दुकान से सिर्फ़ 5 रुपये का बिस्किट का पैकेट खरीदता है, तो उस पर मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट, वज़न और कंपनी का नाम-पता जैसी सारी डिटेल्स लिखी होती हैं। लेकिन टैक्स के करोड़ों रुपये से बनी सड़कों पर कोई गारंटी या डिटेल्स क्यों नहीं? बारिश में पहले ही बह चुकी और भ्रष्टाचार के में धंसती सड़कों पर जनता कब तक चुप रहेगी? अब आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई से बनी सड़कों की क्वालिटी में ट्रांसपेरेंसी लाने के लिए एक अलर्ट और सख्त आवाज़ उठी है हर नई सड़क पर डिजिटल साइनबोर्ड या QR कोड ज़रूरी करो! संविधान ने देश के हर नागरिक को यह जानने का अधिकार दिया है कि जनता का पैसा कहाँ और कैसे खर्च हो रहा है। अगर सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी रखनी है, तो हर बन रही या नई बन रही सड़क पर एक साफ़ बोर्ड या स्कैन किया जा सकने वाला त्वक्र कोड होना चाहिए, जिस पर ये डिटेल्स लिखी हों

1. कॉन्ट्रैक्टर का नामः सड़क बनाने वाले कॉन्ट्रैक्टर और उसकी एजेंसी की पूरी डिटेल्स।

2. इंजीनियर की डिटेल्सः काम की क्वालिटी पास करने वाले ज़िम्मेदार सरकारी इंजीनियर का नाम और कॉन्टैक्ट।



3. नेता और अधिकारीः प्रोजेक्ट को मंजूरी देने वाले संबंधित मंत्री और बड़े अधिकारियों के नाम।

4. प्रोजेक्ट की कुल लागतः जनता के टैक्स से इस सड़क पर कितने करोड़ रुपये खर्च हुए।

5. टाइम लिमिट और गारंटीः काम पूरा होने की तारीख और सड़क कितने साल चलनी चाहिए, इसका गारंटी पीरियड। आज हालत यह है कि सड़कें बनने के कुछ महीनों में ही टूट जाती हैं, लेकिन लोगों को समझ नहीं आता कि इस लापरवाही या करप्शन के लिए किस अधिकारी या कॉन्ट्रैक्टर को ज़िम्मेदार ठहराया जाए! अगर हर सड़क पर ऐसी डिटेल्स पब्लिक हो जाएं, तो एक बार खराब काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर का नाम पब्लिक हो जाए, तो उसे ब्लैकलिस्ट करना आसान हो जाएगा। अफसरों की ज़िम्मेदारी तय होगीः कमीशन लेकर करप्ट काम पास करने वाले इंजीनियर और अधिकारी बच नहीं पाएंगे। अगर सरकार और एडमिनिस्ट्रेशन दावा करते हैं कि वे ट्रांसपेरेंट एडमिनिस्ट्रेशन दे रहे हैं, तो कॉन्ट्रैक्टर के नाम और सड़कों पर हुए खर्च का खुलासा करना इतना मुश्किल क्यों है? अगर 5 रुपये का सामान बनाने वाली कंपनी ज़िम्मेदारी ले सकती है, तो करोड़ों के कॉन्ट्रैक्ट लेने वाले और जनता के टैक्स पर गुज़ारा करने वाले अधिकारी अपनी ज़िम्मेदारी से क्यों भाग सकते हैं? अब समय आ गया है कि जनता जागरूक हो और अपनी सही कमाई का हिसाब मांगे। जब तक सड़कों पर त्वक्र कोड और डिटेल्स वाले साइनबोर्ड ज़रूरी नहीं किए जाते, तब तक करप्शन खत्म नहीं होगा!

डभोई के ढालनगर में कॉन्ट्रैक्टर की बड़ी लापरवाही! नर्मदा विस्थापितों के लिए 1 km सड़क बनी नरक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई / वडोदरा। कॉन्ट्रैक्टर की घटिया पॉलिसी और लापरवाह एडमिनिस्ट्रेशन की वजह से डभोई के पास नर्मदा विस्थापितों की ढालनगर बस्ती में लोकल लोगों के लिए नरक जैसे हालात बन गए हैं।



सीवर लाइन का काम करने आए कॉन्ट्रैक्टर ने बिना किसी प्लानिंग के सड़क के बीचों-बीच खुदाई करके सीवर लाइन बिछा दी, जिससे मेन रोड का करीब 1 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गया। इस मामले में गुस्साए गांववालों ने आज इकट्ठा होकर प्रशासन और कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ जमकर गुस्सा निकाला। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि रोजमर्रा के काम के लिए घर से निकलना भी बड़ा रिस्क बन गया है। चूंकि सड़क बहुत खराब है और उसमें गहरे हैं, इसलिए इमरजेंसी के समय 108 एंबुलेंस भी गांव में आने से मना कर देती है। जिससे बीमार लोगों, बुजुर्गों या गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल ले जाने में जान का बड़ा रिस्क रहता है। इसके अलावा, स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों और टीचरों को अपनी गाड़ियां गांव के गेट पर या दूर छोड़कर कीचड़ और कीचड़ के बीच पैदल चलने को मजबूर होना पड़ा है। इस मानसून के मौसम में, यह टूटी-फूटी सड़क चारों तरफ कीचड़ का साम्राज्य बन गई है, जिससे हर दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं। 'विस्थापितों को सभी बुनियादी सुविधाएं देने के सरकार के बड़े-बड़े दावे कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। असल में, ढालनगर कॉलोनी के लोग नरक जैसी ज़िंदगी जीने को मजबूर हैं। ' क्या प्रशासन किसी बड़े एक्सीडेंट में किसी की मौत का इंतज़ार कर रहा है? कुंभकर्ण की नींद सो रहे ज़िम्मेदार अधिकारी कब जागेंगे और यह 1 किलोमीटर की नई ष्ठश्ट या डामर सड़क कब मंज़ूर होगी? ये तीखे सवाल हैं.

अहमदाबादः निकोल में नर्मदा आवास की पार्किंग से 7 लाख रुपये की शराब ज़ब्त, सब्ज़ी के डिब्बों में छिपाई गई बोतलें

अहमदाबाद के निकोल इलाके में नर्मदा आवास योजना की पार्किंग से पुलिस ने बड़ी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त की है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। निकोल इलाके में नर्मदा आवास योजना की पार्किंग में पुलिस ने छापा मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त की है। पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी में खाली सब्ज़ी के डिब्बों और तिरपाल में छिपाई गई 2520 विदेशी शराब की बोतलें ज़ब्त की हैं। पुलिस ने शराब और पिकअप गाड़ी समेत कुल 10.20 लाख रुपये का सामान ज़ब्त किया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

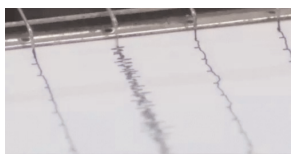
सूचना के आधार पर रेड, लावारिस पिकअप में मिली शराब

मिली जानकारी के मुताबिक, निकोल पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि नर्मदा आवास योजना की पार्किंग में एक संदिग्ध पिकअप गाड़ी लावारिस हालत में पड़ी है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने रेड की और गाड़ी की जांच की। गाड़ी तिरपाल से ढकी हुई थी। जैसे ही पुलिस ने तिरपाल हटाया और सब्जियों के 12 खाली प्लास्टिक के डिब्बे हटाए, तो अंदर बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब मिली। पुलिस जांच के दौरान, गाड़ी में अलग-अलग ब्रांड की कुल 2520 बोतलें विदेशी शराब मिलीं, जिनकी कीमत लगभग 7,20,000 रुपये है। पुलिस ने इतनी शराब के साथ एक पिकअप गाड़ी बरामद की है और कुल 10.20 लाख रुपये कैश भी जब्त किया है। पुलिस ने पिकअप गाड़ी की जांच करने के बाद पाया कि गाड़ी आनंद जिले के बंभरोली गांव के रहने वाले के नाम पर रजिस्टर्ड है। निकोल पुलिस ने यह पता लगाने के लिए केस दर्ज कर लिया है कि इतनी शराब किसने मंगवाई थी और इसे कौन सप्लाई करने वाला था और वे शराब तस्करों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।



संक्षिप्त न्यूज

अहमदाबाद के पास भूकंप के हल्के झटके, रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता दर्ज



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुरुवार तड़के अहमदाबाद के पास भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च के अनुसार सुबह 4:39 बजे रिक्टर स्केल पर 2.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ, जिसका केंद्र बावला के पास और अहमदाबाद से करीब 29 किलोमीटर दूर था। भूकंप की गहराई 20 किलोमीटर मापी गई। राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

गुजरात में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट, 13 जिलों में हाई अलर्ट जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। मौसम विभाग ने 31 जुलाई से 2 अगस्त तक गुजरात के कई हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा समेत 13 जिलों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और NDRF, SDRF के साथ सेना, नौसेना व वायुसेना को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है। राज्य सरकार ने जिलों के कंट्रोल रूम 247 सक्रिय रखने, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। अहमदाबाद और वडोदरा में 31 जुलाई को सभी स्कूल और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें और मौसम विभाग की आधिकारिक सलाह का पालन करें।

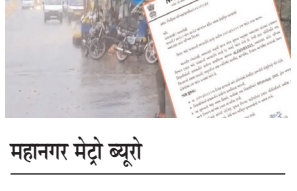
गुजरात में रेड अलर्ट: अहमदाबाद समेत 8 जिलों में आज स्कूल-कॉलेज बंद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी के बीच अहमदाबाद, वडोदरा, नवसारी, खेड़ा, डांग, नर्मदा, आनंद और छोटा उदयपुर समेत 8 जिलों में शुक्रवार को स्कूल, कॉलेज और कई स्थानों पर आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। यह फैसला विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी सरकारी, अनुदानित और निजी शिक्षण संस्थानों को अवकाश संबंधी सूचना तुरंत अभिभावकों और विद्यार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। वहीं अहमदाबाद नगर निगम ने अपने सभी आंगनबाड़ी केंद्र 3 अगस्त तक बंद रखने का निर्णय लिया है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने और केवल आधिकारिक मौसम संबंधी सूचनाओं का ही पालन करने की अपील की है।

अहमदाबाद समेत 8 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद, प्रशासन हाई अलर्ट पर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में 31 जुलाई से 2 अगस्त तक भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी के बीच अहमदाबाद, वडोदरा, नवसारी, खेड़ा, डांग, नर्मदा, आनंद और छोटा उदयपुर सहित 8 जिलों में शुक्रवार को स्कूल, कॉलेज और कई स्थानों पर आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी सरकारी, अनुदानित और निजी शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधियां स्थगित रखने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन ने सभी स्कूलों को अभिभावकों और विद्यार्थियों तक अवकाश की सूचना तत्काल पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। अहमदाबाद नगर निगम ने अपने सभी आंगनबाड़ी केंद्र 3 अगस्त तक बंद रखने का फैसला किया है। सूचनाओं का ही पालन करें।

तेजगढ़ के पास LCB की बड़ी कार्रवाई, 63,750 की विदेशी शराब ज़ब्त; कुल 3.79 लाख का सामान ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूर

छोटाउदेपुर। लोकल क्राइम ब्रांच ने छोटाउदेपुर थाना इलाके के तेजगढ़ गांव में नायरा पेट्रोल पंप के पास गाड़ी चेकिंग के दौरान दो लोगों को भारत में बनी विदेशी शराब, निशान सनी कार और मोबाइल फोन के साथ कुल ?3,79,750 के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। वडोदरा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक और छोटाउदेपुर जिले के पुलिस अधीक्षक इम्तियाज शेख के मार्गदर्शन में, LCB टीम शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए LCB के पुलिस इंस्पेक्टर एम. एफ. डामोर के मार्गदर्शन में गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच, सूचना मिली कि निशान सनी कार नंबर GJ-23-AF-3357 की पिछली डिक्की में ब्रेक लाइट के पास बने शराब के अड्डे में भारत में बनी विदेशी शराब गैर-कानूनी तरीके से लाई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर, पुलिस ने कार रोकी और उसकी तलाशी ली। शराब की दुकान में ?63,750 कीमत की भारत में बनी विदेशी शराब की 675 बोतलें मिलीं। इसके अलावा, रैकेट में इस्तेमाल की गई एक निशान सनी कार (कीमत ?3,00,000) और दो मोबाइल फोन (कीमत ?16,000) मिले, और कुल ?3,79,750 का सामान ज़ब्त किया गया। इस मामले में, पुलिस ने मीतकुमार भूपेंद्रभाई पांचाल (उम्र 28, निवासी नीलांबर ब्लोज़-2, गुरुकुल चार रास्ता, वडोदरा) और रविभाई दह्याभाई परमार (उम्र 32, निवासी गजरावाड़ी, सर्वे पंपिंग स्टेशन, विश्वकर्मा नगर, वडोदरा) को गिरफ्तार किया है।जबकि धोरियाभाई नूरलियाभाई राठवा (निवासी खड़खर गाँव, ता.-जी. छोटाउदेपुर) को वॉन्टेड घोषित किया गया है और उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। इस संबंध में छोटाउदेपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।





साबरमती पुलिस ने S.P. रिंग रोड पर कैफे में चल रहे हुक्का बार पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साबरमती पुलिस ने अहमदाबाद के S.P. रिंग रोड पर 'विनविक्स' कैफे में चल रहे एक गैर-कानूनी हुक्का बार पर छापा मारा। हर्बल के नाम पर निकोटीन वाले फ्लेवर परोसे जा रहे थे। पुलिस ने ऑपरेटर विनीत राठौड़ और ग्राहकों को हिरासत में लिया है और 37,600 रुपये कैश जब्त किए हैं। यह कार्रवाई रात की पेट्रोलिंग के दौरान मिली सूचना के आधार पर की गई।साबरमती पुलिस ने अहमदाबाद के S.P. रिंग रोड पर कैफे की आड़ में चल रहे एक गैर-कानूनी हुक्का बार पर छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की है। पता चला है कि हर्बल फ्लेवर के नाम पर निकोटीन वाले फ्लेवर का इस्तेमाल करके ग्राहकों को हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने मौके से हुक्का बार ऑपरेटर विनीत राठौड़ और हुक्का पी रहे ग्राहकों को हिरासत में लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रात की पेट्रोलिंग के दौरान सुराग मिले

साबरमती पुलिस स्टेशन का स्टाफ रात में पेट्रोलिंग पर था, इसी दौरान S.P. को खास जानकारी मिली कि रिंग रोड पर 'विनविक्स' कैफे में गैर-कानूनी हुक्का बार चल रहा है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने रेड की और ऑपरेटर विनीत राठौड़ को कस्टमर्स को हुक्का सर्विस देते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस ने कैफे में सर्च ऑपरेशन चलाया और गैर-कानूनी कामों में इस्तेमाल होने वाला सामान ज़ब्त किया, जिसमें 2 हुक्के, 9 फ्लेवर वाले तंबाकू के कैन, सिल्वर फॉयल पेपर, चिलम, कोयला और पाइप शामिल थे, जिनकी कुल कीमत 37,600 रुपये थी। साबरमती पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर कैफे मैनेजर और कस्टमर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।



ठक्करनगर के पास AMC टीम और लॉरी मालिकों के बीच झड़प, सड़क पर सब्जियां फेंककर विरोध



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ठक्करनगर इलाके में रतनबा नहर के पास AMC के प्रेशर कम करने के काम के दौरान लॉरी मालिकों और प्रेशर ब्रांच टीम के बीच झड़प हो गई। AMC के एक कर्मचारी पर लॉरी मालिक को पीटने का आरोप लगाते हुए लॉरी मालिकों ने सड़क पर सब्जियां फेंककर विरोध किया। उन्होंने पुलिस को फोन करके कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी। अहमदाबाद के ठक्करनगर इलाके में रतनबा नहर के पास अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की प्रेशर टीम और लोकल लॉरी मालिकों के बीच झगड़े की घटना सामने आई है। जब प्रेशर कम करने पहुंची तो दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही झड़प में बदल गई। इस दौरान लॉरी मालिकों ने आरोप लगाया है कि AMC प्रेशर ब्रांच के एक कर्मचारी ने लॉरी मालिक को पीटा है।

सड़क पर फेंकी सब्जियां

कर्मचारी के इस बर्ताव से गुस्साए लॉरी मालिकों ने अपना गुस्सा दिखाने के लिए लॉरी में रखी सब्जियां सड़क पर फेंक दीं और एडमिनिस्ट्रेशन के काम करने के तरीके का विरोध किया। गुस्साए लॉरी मालिकों ने नारे लगाए। इस के खिलाफ नारेबाजी की और नारेबाजी की।

प्राइवेट ट्यूशन क्लास की मनमानी पर राज्य सरकार लगाएगी ब्रेक लाएगी 'प्राइवेट कोचिंग क्लास रेगुलेशन एंड कंट्रोल बिल',



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। सालों से मनमानी तरीके से चल रही प्राइवेट ट्यूशन और कोचिंग क्लास पर अब सरकार सख्त कंट्रोल लाने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार अगले विधानसभा सेशन में 'प्राइवेट कोचिंग क्लास रेगुलेशन एंड कंट्रोल बिल' लाने की तैयारी कर रही है। स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे इस कानून में क्लास के मैनेजमेंट, फीस, सिक्योरिटी और टीचर्स की क्वालिफिकेशन समेत कई मुद्दे शामिल होंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, यह बिल फीस रेगुलेटरी कमेटी के स्ट्रक्चर को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। बिल लागू होने के बाद राज्य में प्राइवेट कोचिंग क्लास के लिए अलग अथॉरिटी बनाई जाएगी, जो क्लास के रजिस्ट्रेशन, लाइसेंसिंग और कंप्लायंस पर नजर रखेगी। पेरेंट्स मनमानी फीस नहीं ले पाएंगे सरकार के प्रपोज़ल के मुताबिक, हर प्राइवेट क्लास के लिए स्टूडेंट्स, टीचर्स (फैकल्टी) और जमा की गई फीस की डिटेल्स ऑनलाइन रजिस्टर करना ज़रूरी होगा। इसके साथ ही, क्लास द्वारा जमा की जाने वाली फीस के लिए एक मैक्सिमम लिमिट (फीस कैप) तय की जाएगी ताकि पेरेंट्स से मनमानी फीस न वसूली जा सके। स्टूडेंट्स के हित में एक ज़रूरी प्रोविज़न के तौर पर, अगर कोई स्टूडेंट बीच में कोर्स छोड़ देता है, तो प्रो-राटा बेसिस पर फीस रिफंड करने का भी प्रोविज़न किया जाएगा। अभी तक कई क्लास द्वारा पूरी फीस रिफंड न करने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बिना फायर NOC के कोई क्लास नहीं चलाई जा सकेगीसेफ्टी को प्रायोरिटी देते हुए, बिल में यह प्रोविज़न होगा कि बिना फायर NOC के कोई क्लास नहीं चलाई जा सकेगी। इसके अलावा, हर क्लास में इमरजेंसी एग्जिट समेत ज़रूरी सेफ्टी फीचर्स ज़रूरी किए जाएंगे। एजुकेशन की क्वालिटी बनाए रखने के लिए, क्लास में पढ़ाने वाले टीचर्स के लिए मिनिमम ग्रेजुएशन क्वालिफिकेशन ज़रूरी की जाएगी। इसके साथ ही, टीचर्स और नॉन-टीचिंग स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन भी ज़रूरी होगा। सरकार नियमों के उल्लंघन के खिलाफ भी सख्त रवैया अपनाएगी। बिल के मुताबिक, नियम तोड़ने वाले क्लास एडमिनिस्ट्रेटर पर ?25 हज़ार से ?1 लाख तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया जाएगा। इस कानून के लागू होने के बाद, पूरे राज्य में प्राइवेट कोचिंग क्लास के लिए एक जैसा रेगुलेटरी सिस्टम बनेगा और स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के हितों की ज़्यादा अच्छे से रक्षा हो सकेगी।

विपक्ष के नेता के लिए चैंबर न होने और अलग-अलग मुद्दों पर प्रेजेंटेशन पर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। पंचायत की जनरल मीटिंग आज काफी हंगामे और चर्चा के बीच हुई। जनरल मीटिंग में आम आदमी पार्टी ने लोगों के अलग-अलग सवालों और समस्याओं पर प्रेजेंटेशन दिए, वहीं दूसरी तरफ ने विपक्षी पार्टी के नेता का नाम पदाधिकारियों की लिस्ट में होने के बावजूद उन्हें चैंबर अलॉट न करके काफी हंगामा किया। छोटाउदेपुर जिला पंचायत की जनरल मीटिंग शुरू होते ही माहौल गरमा गया। एक तरफ जनता की समस्याओं और गांवों में विकास के कामों पर चर्चा हुई, तो दूसरी तरफ विपक्ष के नेता राजेश राठवा ने सत्ताधारी पार्टी BJP पर तीखे हमले किए। मीटिंग के दौरान मुख्य आकर्षण और विवाद का केंद्र विपक्ष के नेता के चैंबर का मुद्दा रहा। AAP नेताओं ने सवाल उठाया कि पदाधिकारियों की ऑफिशियल लिस्ट में विपक्ष के नेता का नाम होने के बावजूद आज तक उनका ऑफिस या चैंबर अलॉट नहीं किया गया। इस मुद्दे पर असेंबली हॉल में खूब हंगामा और गरमागरम बहस हुई। विपक्ष के नेता राजेश राठवा ने BJP सरकार और प्रशासन को घेरा और जिले के अलग-अलग विकास के मुद्दों, अधूरे कामों और पब्लिक मामलों पर तीखे हमले किए।द्व सत्ता और विपक्ष के बीच नोकझोंकः हालांकि, हंगामे के बाद BJP और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने आम बैठक में छोटा उदेपुर जिले के अलग-अलग गांवों की समस्याओं और पब्लिक मुद्दों पर डिटेल में चर्चा की और अपनी-अपनी राय रखी। इस तरह छोटा उदेपुर जिला पंचायत की आम बैठक में पब्लिक मुद्दों के साथ-साथ चैंबर पॉलिटिक्स भी चर्चा का हॉट टॉपिक रही।

सुपरवाइजर इंस्ट्रक्टर के 436 पदों के लिए परीक्षा होगीः 4 ग्रुप की परीक्षा 7 से 9 सितंबर तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

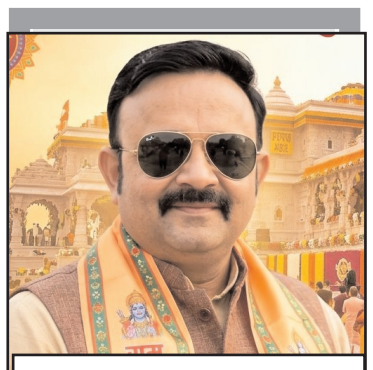
गांधीनगर। सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड ने सुपरवाइजर इंस्ट्रक्टर, क्लास-3 कैडर के 7 अलग-अलग ग्रुप की भर्ती के बारे में एक ज़रूरी घोषणा की है। डिपार्टमेंट ऑफ़ लेबर, स्किल डेवलपमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट, डायरेक्टर एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेनिंग और ट्रेनिंग विंग के कंट्रोल में सुपरवाइजर इंस्ट्रक्टर क्लास-3 के 7 अलग-अलग ग्रुप की भर्ती के लिए विज्ञापन बोर्ड की वेबसाइट पर पब्लिश किया गया है। विज्ञापन के अनुसार, कुल 436 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया की गई है। जिसमें एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स ग्रुप के 40 पोस्ट, फैब्रिकेशन ग्रुप के 35 पोस्ट, ऑपरेशन और मशीन ग्रुप के 60 पोस्ट और मेडिकल और नर्सिंग ग्रुप के 125 पोस्ट के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन 7, 8 और 9 सितंबर 2026 को होगा।

3 ग्रुप के लिए एग्जाम की तारीख जल्द ही अनाउंस की जाएगी

इलेक्ट्रिकल ग्रुप के 115 पोस्ट और रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग ग्रुप के 26 पोस्ट के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन की तारीख अभी अनाउंस नहीं की गई है। इन तीनों ग्रुप के लिए एग्जाम की तारीख जल्द ही बोर्ड की वेबसाइट पर अनाउंस की जाएगी। बोर्ड ने कैंडिडेट्स को रिक्रूटमेंट से जुड़े सभी नोटिफिकेशन और एग्जाम की तारीख के बारे में ऑफिशियल जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट रेगुलर चेक करने के लिए कहा है। अनाउंसमेंट में कहा गया है कि रिक्रूटमेंट प्रोसेस में डिपार्टमेंट ऑफ़ लेबर, स्किल डेवलपमेंट एंड एम्प्लॉयमेंट द्वारा 6 फरवरी, 2025 के रेजोल्यूशन के तहत तय किए गए रिक्रूटमेंट रूल्स भी शामिल होंगे।



बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है।

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।



बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में ह्यडिजिटल अरेस्टह्ण को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है।

चिंतन-मनन

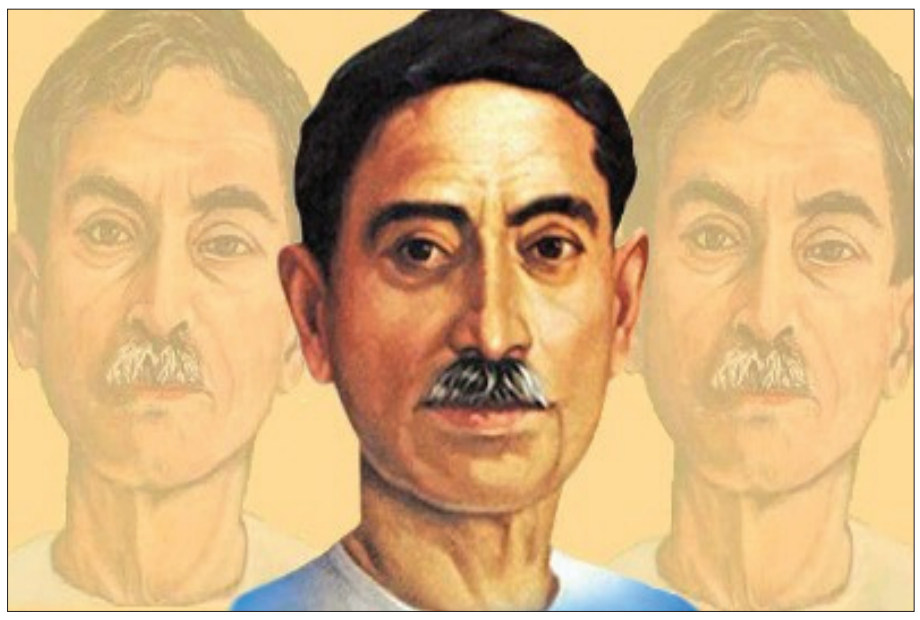
प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत



दिलीप कुमार पाठक



आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग द्रष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं।

अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

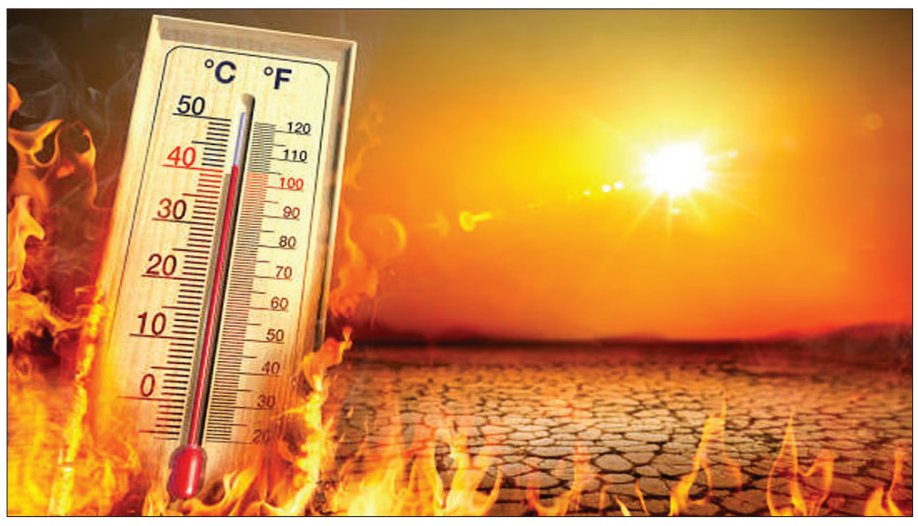
(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा



सुनील कुमार महला



आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

अस्पताल से अगवा 10 साल की बच्ची की हत्या, सिपाही गिरफ्तार, नदी से बरामद हुई लाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। पुलिस ने जिला अस्पताल से 28 जुलाई की रात लापता हुई 10 साल की बच्ची की हत्या के मामले में डायल 112 में तैनात रहे सिपाही अभिषेक यादव को गिरफ्तार किया है. 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच और बाइक नंबर ट्रेस कर पुलिस ने गाजीपुर निवासी आरोपी को पकड़ा. उसकी निशानदेही पर चिउटहा पुल के पास नदी से बच्ची की लाश बरामद हुई. पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है.



घर छोड़ने का झांसा देकर बाइक पर बैठाया

मूल रूप से आजमगढ़ निवासी पीड़ित परिवार अस्पताल में भर्ती बड़ी बेटी के लिए खाना लेकर आया था. रात करीब 10 बजे छोटी बेटी दीपिका घर लौटने लगी, तभी वर्दीधारी सिपाही घर छोड़ने के बहाने उसे बहला-फुसलाकर अपाचे बाइक पर बैठाकर ले गया. परिजन लगातार खोजबीन करते रहे और फिर पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई. एसएसपी डॉ. कौस्तुभ के मुताबिक, आरोपी सिपाही अभिषेक यादव पहले भी 3 फरवरी 2025 को एक युवती से रेप के मामले में निलंबित होकर जेल जा चुका है. वह पिछले साल सितंबर में जमानत पर बाहर आकर डायल 112 में तैनात था. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसके खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में पैरवी की जाएगी.

बर्खास्तगी और एनएसए की होगी कार्रवाई

प्रारंभिक पूछताछ में दुर्व्यवहार और बल प्रयोग की बात सामने आई है. एसएसपी ने बताया कि सिपाही को विभाग से बर्खास्त करने के लिए शासन को पत्र भेजा जा रहा है और उस पर एनएसए के तहत कार्रवाई होगी. पुलिस इस तरह की दूषित मानसिकता वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठा रही है.

अगस्त के पहले सप्ताह और जोरदार होगी बारिश, यूपी के लिए IMD ने दिया बड़ा अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त के पहले सप्ताह से मानसून फिर सक्रिय होगा और यूपी के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है. 1 जून से 29 जुलाई तक सामान्य से 25 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई थी, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है. हालांकि,पूर्वी यूपी में सबसे ज्यादा बारिश की कमी दर्ज की गई है. उत्तर प्रदेश में मानसून की रफ्तार जुलाई के अंतिम दिनों में भले ही धीमी पड़ गई हो, लेकिन मौसम विभाग ने अगस्त की शुरुआत को लेकर राहत भरी खबर दी है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि अगस्त के पहले सप्ताह से प्रदेश में मानसून एक बार फिर जोर पकड़ सकता है. हालांकि, अब तक राज्य में सामान्य से 25 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है. उत्तर प्रदेश में इस बार मानसून ने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन जुलाई के दूसरे पखवाड़े में बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई. इसका असर पूरे प्रदेश के बारिश के आंकड़ों पर साफ दिखाई दे रहा है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 1 जून से 29 जुलाई के बीच राज्य में सामान्य से 25 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है. इससे खेती-किसानी, विशेषकर धान की रोपाई और खरीफ फसलों की बुवाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है. हालांकि, मौसम विभाग ने किसानों और आम लोगों को राहत देने वाला पूर्वानुमान जारी किया है. विभाग के मुताबिक, अगस्त के पहले सप्ताह में मानसून दोबारा सक्रिय होगा और उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है. आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून से 29 जुलाई तक उत्तर प्रदेश में कुल 258.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा 342.8 मिमी होनी चाहिए थी. यानी पूरे प्रदेश में अब तक 25 प्रतिशत बारिश की कमी बनी हुई है.



भिंड में पड़ोसी से रंजिश में पालतू कुत्ते को फंदे से लटकाया, कुल्हाड़ी से काटकर किए 20-25 टुकड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद खौफनाक वारदात सामने आई है। ऊमरी थाना क्षेत्र के नुन्हाटा गांव में पुरानी मामूली रंजिश का बदला लेने के लिए एक युवक ने पड़ोसी के मूक पालतू कुत्ते के साथ ऐसी हैवानियत की, जिसे सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएं। आरोपी ने कुत्ते को पहले बीहड़ में ले जाकर पेड़ से फंदे पर लटकाया, लाठियों से पीटा और फिर कुल्हाड़ी से काटकर उसके 20 से 25 टुकड़े कर डाले। इस सनसनीखेज घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया है। यह पूरी घटना सोमवार की है, जब नुन्हाटा के उमराव सिंह का पुरा निवासी 25 वर्षीय विवेक बाथम (पिता अजमेर बाथम) गांव में घूम रहे रामनरेश सिंह राजावत के पालतू कुत्ते को जबरन रस्सी से बांधकर अपने साथ ले गया। आरोपी कुत्ते को बेसली नदी के किनारे बीहड़ के जंगल में खींच ले गया।



चलती बस के आगे डट गईं महिला ACP मोनिका शुक्ला... हाथों से रोक दी बस- VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। किसानों के प्रदर्शन के बीच पुलिस की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में वह बैरिकेड के तौर पर खड़ी एक बस के सामने अकेले खड़ी होकर उसे हाथों से रोकती नजर आ रही हैं. सोशल मीडिया पर इस वीडियो को ड्यूटी के प्रति साहस और महिला पुलिस अधिकारी के जज्बे की मिसाल बताया जा रहा है. जानकारी के



मुताबिक, प्रदर्शनकारी किसान मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने के साथ बैरिकेड के रूप में खड़ी बसों को भी आगे बढ़ाने की कोशिश की. इसी बीच ACP मोनिका शुक्ला बस के ठीक सामने जाकर खड़ी हो गईं और हाथों से उसे आगे बढ़ने से रोक दिया. कुछ देर तक तनाव की स्थिति बनी रही, लेकिन बाद में प्रदर्शनकारी पीछे हट गए और बस को वहीं छोड़ दिया. घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

भोपाल में क्यों प्रदर्शन कर रहे किसान?

भोपाल में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान मूंग की 100 फीसदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद, ई-टोकन व्यवस्था में सुधार और समय पर उचित दर पर खाद उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. किसान नर्मदापुरम और बाकी इलाकों से पैदल मार्च करते हुए भोपाल पहुंचे हैं और राजधानी के वीर सावरकर सेतु के पास डेरा डाले हुए हैं. मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री का क्या कहना है? आंदोलन के बीच राज्य सरकार ने भी केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की है. मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर मूंग खरीद का लक्ष्य बढ़ाने की मांग की है. इनके अलावा उन्होंने किसानों से भी बातचीत की है और मामले का हल निकालने का आश्वासन दिया है. राज्य कृषि मंत्री का कहना है कि इस साल मूंग का उत्पादन अनुमान से अधिक हुआ है, जबकि मौजूदा खरीद लक्ष्य कम होने से बड़ी संख्या में किसान MSP का लाभ नहीं ले पाएंगे. इसी मांग को लेकर किसान राजधानी में प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार पर जल्द फैसला लेने का दबाव बना रहे हैं.

भोपाल में किसानों का प्रोटेस्ट खत्म, मूंग खरीद पर सरकार के इस आश्वासन पर बनी बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कई दिनों से चल रहा किसानों का आंदोलन आखिरकार खत्म हो गया है. संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आंदोलन कर रहे किसानों ने सरकार के साथ हुई बातचीत के बाद धरना समाप्त करने का ऐलान किया. सरकार ने मूंग की MSP पर खरीद बढ़ाने, खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था तत्काल प्रभाव से खत्म करने और किसानों की अन्य मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया. इसके बाद किसानों ने अपना आंदोलन वापस लेने का फैसला किया. पूरे आंदोलन की जड़ मूंग की MSP पर खरीद थी. किसानों का कहना था कि इस साल रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है, लेकिन सरकार सीमित मात्रा में ही खरीद कर रही थी. इससे बड़ी संख्या में किसानों को अपनी फसल बाजार में कम दाम पर बेचनी पड़ती. दूसरी बड़ी शिकायत खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन व्यवस्था को लेकर थी. किसानों का आरोप था कि इस सिस्टम की वजह से समय पर खाद नहीं मिल रही और खेती प्रभावित हो रही है. इन्हीं मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले 19 किसान संगठनों ने आंदोलन शुरू किया था.

सरकार ने 60% खरीद का दिया ऑफर

कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने बीती रात बताया कि केंद्र सरकार ने इस साल 4.52 लाख मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग खरीद का लक्ष्य तय किया था. पहले किसानों की केवल 25 फीसदी उपज MSP पर खरीदी जानी थी, लेकिन अब हर पात्र किसान की 60 फीसदी उपज खरीदी जाएगी. नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों में इसका मतलब करीब 3 क्विंटल प्रति एकड़ खरीद होगा. सरकार ने स्लॉट बुकिंग की आखिरी तारीख भी 30 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त और खरीद की अंतिम तारीख 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त कर दी है. सरकार ने खाद वितरण के लिए लागू ई-टोकन सिस्टम पर भी फिलहाल रोक लगा दी है. कृषि मंत्री ने कहा कि शुरुआती स्तर पर इस व्यवस्था में कई व्यावहारिक दिक्कतें सामने आई हैं. इसलिए कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति बनाई जाएगी, जो व्यवस्था की समीक्षा कर सुधार सुझाएगी.



तब तक ई-टोकन सिस्टम स्थगित रहेगा.

27 जुलाईः नर्मदापुरम से निकली किसान क्रांति पदयात्रा

करीब दो हजार किसान नर्मदापुरम से भोपाल के लिए पैदल मार्च पर निकले थे. ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में राशन, बिस्तर और खाना बनाने का सामान साथ था. पुलिस ने रास्ते में कई जगह बैरिकेड लगाए, लेकिन किसानों ने धरना दिया और आगे बढ़ते रहे.

28 जुलाईः भोपाल की सीमा तक पहुंच गए किसान

अगले दिन किसान मंडीदीप और ओबेदुल्लागंज होते हुए भोपाल की सीमा तक पहुंच गए. कई जगह बैरिकेड हटाए गए. प्रशासन ने उन्हें शहर के भीतर जाने से रोका तो किसानों ने वीर सावरकर सेतु के पास डेरा डाल दिया. उन्होंने साफ कहा था कि जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानेगी, तब तक वे वापस नहीं लौटेंगे.

29 जुलाईः राजधानी में बढ़ा दबाव

किसानों ने सड़क पर ही दाल-बाटी बनाई, भोजन तैयार किया और प्रदर्शन जारी रखा. मुख्यमंत्री आवास की तरफ मार्च की कोशिश हुई. कई जगह पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई. सरकार ने इसके बाद किसानों के प्रतिनिधियों के साथ लंबी बैठक की. इस दौरान मूंग खरीद बढ़ाने, खरीद की तारीख बढ़ाने और ई-टोकन व्यवस्था की समीक्षा जैसे प्रस्ताव सामने आए. हालांकि किसानों ने उस समय कहा कि उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हुई हैं और आंदोलन जारी रहेगा. लगातार बातचीत के बाद सरकार और किसान संगठनों के बीच सहमति बनी. सरकार ने भरोसा दिया कि पहले से ज्यादा मूंग की खरीद की जाएगी ताकि अधिक किसानों को MSP का लाभ मिल सके. सबसे अहम फैसला खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का रहा. सरकार ने किसानों की अन्य मांगों पर भी सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया. सरकार के इन आश्वासनों के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान कर दिया. इसके साथ ही कई दिनों से भोपाल की सड़कों पर डटे किसान अपना धरना खत्म कर वापस लौटने लगे हैं.

सीहोर में पति ने पार की क्रूरता की हदें, विवाद के बाद काटे पत्नी के दोनों पैर, बेटे पर भी किया हमला

मध्यप्रदेश के सीहोर के भेरूंदा में एक पति ने विवाद के दौरान अपनी पत्नी के दोनों पैर काट दिए हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीहोर। भेरूंदा क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां घरेलू विवाद में एक पति ने पत्नी के धारधार हथियार से पैर काट दिए। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फेल गई। महिला को दोनों पैरों में काफी गंभीर चोट आई है, जिसे उपचार के लिए भैरूंदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि आरोपी फरार है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

पत्नी के पैर काट दिए

जानकारी के अनुसार घटना भेरूंदा थाना अंतर्गत आने वाले गांव हाथी घाट की है, जहां बुधवार देर रात आरोपी चंपालाल और उसकी पत्नी में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद पति



चंपालाल धनवारे ने करीब 1:00 बजे रात अपनी पत्नी लक्ष्मी बाई पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और उसके दोनों पैरो पर कुल्हाड़ी से वार किए। जिससे महिला के पैरों में गंभीर घाव हुए हैं। घटना की खबरें सुनने के बाद परिवार के सदस्य पहुंचे। बचाव में आए पुत्र सुनील को भी चोटें आई हैं। मां और बेटे का एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। आरोपी पति मौके से फरार हो गया है। सीहोर के भेरूंदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है। गौरतलब है कि आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ क्रूरता की हदें पार कर दीं। उसने दोनों पैर काट दिए हैं। वह दर्द से तड़पती रही लेकिन आरोपी रहम नहीं खाया। महिला अब अस्पताल में इलाज करवा रही है। पुलिस अभी तक पति को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

लखनऊ में भवन का नक्शा पास करवाने के लिए फायर NOC अनिवार्य, आग की घटनाओं को रोकने के लिए LDA की सख्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। शहर में लगातार बढ़ रही अग्नि दुर्घटनाओं के बाद एलडीए ने भवन निर्माण को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। अब किसी भी कमर्शल और सार्वजनिक भवन का नक्शा पास करवाने के लिए फायर एनओसी अनिवार्य होगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने उत्तर प्रदेश अग्नि सुरक्षा एवं आपात सेवा अधिनियम 2022 और नियमावली 2024 के प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। उन्होंने बताया कि जिन भवनों के लिए नियमानुसार फायर एनओसी जरूरी है, उनका मनचित्र तभी जारी होगा जब अग्निशमन विभाग का वैध प्रमाण-पत्र प्रस्तुत होगा। बिना एनओसी के फाइल आगे नहीं बढ़ेगी। 15 मीटर से कम ऊंचाई या 500 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले होटल, स्कूल, अस्पताल, कोचिंग जैसे भवनों में फायर एनओसी भले जरूरी न हो, लेकिन नक्शा पास करवाते समय भवन स्वामी को फायर/इलेक्ट्रिकल सेफ्टी का शपथ पत्र देना होगा। छूट वाले भवनों को स्वीकृति के 3 महीने के अंदर या तो अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र लेना होगा या अग्निशमन विभाग से फायर ऑडिट करवाना होगा। ऐसा न करने पर कार्रवाई की जाएगी। सभी एई और जेई को निर्देश दिए गए हैं कि वे हर मानचित्र प्रकरण में अग्नि सुरक्षा नियमों का अनुपालन 100 फीसदी सुनिश्चित करें।



गाजियाबाद में बीच सड़क पति पर चढ़ाई कार! बीवी के आशिक पर जानलेवा हमले का आरोप, थाने में हाईवोल्टेज ड्रामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में एक वैवाहिक विवाद ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब एक युवक ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी पर कार से कुचलकर हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाया। युवक का कहना है कि पहले उसकी बाइक में पीछे से कार मारी गई। फिर विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। शिकायत के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां काफी देर तक तीखी बहस और हंगामा चलता रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवक मुरादनगर क्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला है। उसके अनुसार, पिछले करीब दो वर्षों से पत्नी के साथ उसका पारिवारिक विवाद चल रहा है। दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। महिला फिलहाल अपने मायके में रह रही है। मंगलवार दोपहर वह बाइक से गाजियाबाद की ओर जा रहा था। आरोप है कि उखलारसी बंबे के पास पीछे से आई एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क किनारे गिरकर घायल हो गया। हादसे में उसके हाथ में चोट आई। युवक का दावा है कि जिस कार ने टक्कर मारी, उसमें उसकी पत्नी अपने कथित प्रेमी और कुछ अन्य लोगों के साथ सवार थी। उसका आरोप है कि हादसे के बाद जब उसने इसका विरोध किया तो कार सवार लोग बाहर निकल आए और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए। घायल युवक सीधे थाने पहुंचा और पत्नी व उसके कथित प्रेमी के खिलाफ तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसे जानबूझकर कार से कुचलकर मारने की कोशिश की गई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने दूसरे पक्ष को भी थाने बुलाया। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने पर थाने का माहौल गर्म हो गया और काफी देर तक कहासुनी व हंगामा चलता रहा। पुलिस का कहना है कि मामला पति-पत्नी के बीच चल रहे पुराने विवाद से जुड़ा हुआ है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य और अन्य तथ्यों की जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच में जुटी हुई है।



कल का मौसमः 31 जुलाई को किस जिले में होगी झमाझम बारिश, कहां निकलेगी धूप, IMD ने जारी किया ताजा अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी जरूर पड़ी है, लेकिन कई जिलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना बनी हुई है. ढ्रस्ष्ठ के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां पूर्वी यूपी की तुलना में अधिक सक्रिय रहेंगी. 31 जुलाई के लिए किसी भी हिस्से में येलो, ऑरेंज या रेड अलर्ट जारी नहीं की गई है. उत्तर प्रदेश में जुलाई के आखिरी दिन मौसम का मिजाज मिला-जुला रहने वाला है. एक तरफ कई जिलों में बादलों की आवाजाही और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है तो दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में उमस लोगों को परेशान कर सकती है. मौसम विभाग का कहना है कि 31 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कहीं-कहीं इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है. आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ और बिजनौर सहित आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है. इन जिलों में दिनभर बादल छाए रह सकते हैं और कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिल सकती है. इसके अलावा गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बरेली, पीलीभीत, अलीगढ़, मथुरा,



आगरा और आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम बदल सकता है. हालांकि इन जिलों में व्यापक बारिश की संभावना कम है, लेकिन स्थानीय स्तर पर बौछारें पड़ सकती हैं.

उत्तराखंड से दिल्ली तक झमाझम बारिश, IMD ने जारी किया ये अलर्ट

पूर्वी उत्तर प्रदेश में 31 जुलाई को बारिश की गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रहने का अनुमान है. मौसम विभाग के अनुसार लखनऊ, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई और आसपास के इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं. राहत की बात यह है कि 31 जुलाई के लिए मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के किसी भी हिस्से में भारी बारिश, वज्रपात या अन्य मौसम संबंधी कोई रंग आधारित चेतावनी जारी नहीं की है. यानी फिलहाल येलो, ऑरेंज या रेड अलर्ट प्रभावी नहीं रहेगा. आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब मध्य भारत की ओर बढ़ गया है. इसी वजह से मानसून की मुख्य गतिविधियां फिलहाल उत्तर प्रदेश से हटकर मध्य भारत की ओर केंद्रित हो गई हैं. यही कारण है कि जुलाई के अंतिम दिनों में प्रदेश में बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई है. मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा मौसम प्रणाली के कमजोर पड़ने के बाद मानसून ट्रफ दोबारा उत्तर की ओर खिसकेगी. इसके बाद अगस्त के पहले सप्ताह से उत्तर प्रदेश में मानसून फिर सक्रिय होने की संभावना है और कई जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है. आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार 28 जुलाई तक पूरे उत्तर प्रदेश में सामान्य से 25 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी. पूर्वी उत्तर प्रदेश में 32 प्रतिशत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14 प्रतिशत वर्षा की कमी रही. सबसे अधिक बारिश की कमी वाले जिलों में अमेठी, भदोही, देवरिया, जौनपुर, कानपुर देहात, कौशांबी, कुशीनगर, मऊ, अमरोहा, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, पीलीभीत और शामली शामिल हैं. हालांकि 31 जुलाई को बहुत भारी बारिश की संभावना नहीं है, फिर भी जहां बारिश हो वहां किसान खेतों में जलभराव न होने दें. जिन क्षेत्रों में धान की रोपाई चल रही है वहां पानी का संतुलन बनाए रखें.



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

रोहिणी में एनकाउंटर के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के दो शूटर गिरफ्तार,दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बीती रात रोहिणी में एनकाउंटर के बाद नाबालिग समेत दो ओपियों को पकड़ा है। दोनों विदेश में बैठे कुख्यात हिमांशु भाऊ से जुड़े हैं।



दोनों हाल ही में दिल्ली के पूठ खुर्द इलाके में हुए जोगिंदर डबास हत्याकांड में भी शामिल थे। आज सुबह खबर लिखे जाने तक आरोपियों से पूछताछ की जा रही थी। पुलिस गैंग और वारदात में शामिल बाकी आरोपियों का पत लगाने का प्रयास कर रही थी। पुलिस सूत्र ने बताया, क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि पूठ खुर्द इलाके में हुई जोगिंदर डबास हत्याकांड के आरोपी शाहबाद डेरी इलाके में आएंगे। सूचना के आधार पर एक टीम को आरोपियों को पकड़ने के लिए भेजा गया। टीम ने रोहिणी सेक्टर-29 के पास स्कूटी सवार संदिग्धों को रुकने का इशारा किया। मगर आरोपियों ने पुलिस टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से भी गोलियां चलाई गईं। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं। आखिरकार दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। उनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं। आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है।

गैंग का पता लगा रही पुलिस

सुबह खबर लिखे जाने तक पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर भाऊ गैंग से जुड़े बाकी अपराधियों के बारे में पता लगाने में जुटी थी। जैसे आरोपियों को हथियार कौन सप्लाई कर रहा है, मर्डर में और कौन-कौन बदमाश शामिल थे, गैंग अभी किस-किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था आदि। (वस)

पंजाब पेपर लीक मामले पर दिल्ली में BJP का प्रदर्शन, AAP दफ्तर के बाहर हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया है. यह प्रदर्शन पंजाब में हुए कथित पेपर लीक मामले को लेकर किया जा रहा है. बीजेपी कार्यकर्ता पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं. दूसरी ओर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले ही विपक्ष की इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया था. बीजेपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि पंजाब में हुई परीक्षा में पेपर लीक हुआ है और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए. इसी मांग को लेकर पार्टी ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू किया है. वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि जिस परीक्षा की बात की जा रही है वह फार्मेसी अधिकारी की परीक्षा थी. उन्होंने बताया कि यह परीक्षा शिक्षा विभाग ने नहीं बल्कि स्वास्थ्य विभाग ने आयोजित करवाई थी. मान ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री पहले ही यह साफ कर चुके हैं कि इसमें कोई पेपर लीक नहीं हुआ था. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह सिर्फ नकल करने की एक कोशिश थी, जिसे तुरंत पकड़ लिया गया और रोक दिया गया. उन्होंने बताया कि इसके बाद परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी करवाई गई. मान ने साफ शब्दों में कहा कि पंजाब में पेपर लीक हो ही नहीं सकता. उनके इस बयान से साफ है कि राज्य सरकार विपक्ष के आरोपों को पूरी तरह गलत बता रही है और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देने से इनकार कर रही है. इस पूरे मामले को लेकर पंजाब की राजनीति गरमाई हुई है. एक तरफ बीजेपी लगातार दबाव बना रही है तो दूसरी तरफ सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अपनी सरकार का बचाव कर रही है.

राहुल गांधी बोले- 'छात्रों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं, जांच के लिए बने SC की हाई-पावर्ड कमेटी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। संसद परिसर में गुरुवार को विपक्षी सांसदों ने जोरदार प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन दो मुद्दों को लेकर किया गया. पहला मुद्दा नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता है और दूसरा मुद्दा अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को न्याय मिलना चाहिए. उन्होंने मांग की कि इस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र और उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए. वहीं, प्रियंका गांधी ने कहा है कि छात्रों पर बर्बरता के मामले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सदन में आकर जवाब देना चाहिए. प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई विपक्षी सांसद संसद भवन के मकर द्वार के सामने इकट्ठा हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की. सांसदों ने 'चढ़ावा चोर, गद्दी चोर', 'गृह मंत्री सदन में आओ' और 'किसने आदेश दिया' जैसे नारे लगाए. प्रदर्शन के दौरान सांसद अपने साथ एक दान पेटी भी लेकर आए थे. वे उस पेटी में पैसे डालते हुए नजर आए, ताकि प्रतीकात्मक तरीके से राम मंदिर में हुई कथित चढ़ावा चोरी की तरफ सबका ध्यान खींचा जा सके. इस प्रदर्शन में प्रियंका गांधी के अलावा समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, टीएमसी की सागरिका घोष और झामुमो की महुआ माजी सहित कई अन्य विपक्षी सांसद भी शामिल हुए. सभी सांसद एक बड़े बैनर के पीछे कतार में खड़े हुए, जिस पर लिखा था 'किसने आदेश दिया'. यह सवाल सीधे तौर पर उस आदेश की तरफ इशारा करता है, जिसके तहत नीट पेपर लीक के खिलाफ हाल ही में हुए छात्र आंदोलन के दौरान सुरक्षाबलों को छात्रों के खिलाफ सख्त और घातक बल इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए थे. सांसदों का कहना है कि आखिर यह आदेश किसने दिया, इसका जवाब सरकार को देना ही होगा. इंडिया गठबंधन ने साफ कर दिया है कि वह सरकार को दो मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है. पहला मुद्दा राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी है और दूसरा मुद्दा पिछले हफ्ते छात्रों के प्रदर्शन के दौरान उन पर की गई कथित बर्बर कार्रवाई है. विपक्ष का कहना है कि इन दोनों मामलों में सरकार को जवाब देना होगा और जो भी दोषी हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.

आमिर खान धमकी मामले में मुंबई पुलिस का बड़ा दावा स्वीडन वीपीएन से भेजा था अभिनेता को ऑडियो वाला धमकी

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली धमकी के मामले में मुंबई साइबर पुलिस की जांच में कई अहम जानकारी सामने आई है।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली धमकी के मामले में मुंबई साइबर पुलिस की जांच में कई अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती जांच के अनुसार, वायरल ऑडियो क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सीधे तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने के संकेत नहीं मिले हैं। जांच में पता चला है कि धमकी भेजने के लिए स्वीडन आधारित वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) और टॉर ब्राउजर का इस्तेमाल किया गया, जिससे आरोपी ने अपनी वास्तविक पहचान और लोकेशन छिपाने का प्रयास किया।

लॉरेंस गैंग के नाम का इस्तेमाल कर दहशत फैलाने की कोशिश

पुलिस को आशंका है कि किसी अज्ञात आरोपी ने लॉरेंस गैंग के नाम का इस्तेमाल कर दहशत फैलाने की कोशिश की है। संदिग्ध आरोपी अपना आईपी एड्रेस और अपना यूजरनेम बार-बार बदल रहा है। यही वजह है कि पुलिस को यह किसी संगठित गैंग की बजाए किसी सिरफिरे या स्वतंत्र अपराधी की करतूत लग रही है। बता दें कि आमिर खान को यह धमकी सोशल मीडिया पर 'टायसन बिश्नोई' और 'आरजू बिश्नोई' नाम के यूजर अकाउंट से सामने आई थी। वायरल ऑडियो में आमिर खान पर 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने तथा सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के खिलाफ काम करने जैसे आरोप लगाते हुए उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी गई थी।

असली पहचान वाले आरोपी तक पहुंचने की कवायद जारी

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। मुंबई साइबर पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि कहीं इसके पीछे वास्तव में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कोई सदस्य तो नहीं है या फिर किसी ने गैंग का नाम इस्तेमाल कर फर्जी धमकी दी है। गौरतलब है कि आमिर खान की हाल ही में तीसरी शादी के बाद कुछ संगठनों और नेताओं ने उन पर 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने के आरोप लगाए थे। आमिर खान पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी सभी शादियां स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत हुई हैं और उनकी किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया। फिलहाल साइबर पुलिस धमकी देने वाले की वास्तविक पहचान तक पहुंचने के लिए डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच में जुटी हुई है।

पुणे में एफडीए का बड़ा ऑपरेशन, 6 हाई प्रोफाइल फूड आउटलेट सहित 21 खाद्य दुकानों के लाइसेंस निलंबित

पुणे संभागमें खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले 21 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे संभाग में खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों और रेस्टोरेंट मालिकों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने एक विशेष अभियान के तहत पुणे संभाग के 21 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं. इसके साथ ही बड़े पैमाने पर छापेमारी करते हुए लगभग 50.65 लाख रुपये की कीमत की खाद्य सामग्री भी जब्त की है. यह पूरी कार्रवाई महाराष्ट्र सरकार के विशेष अभियान 'सुरक्षित खाद्य, सुरक्षित औषधि, सुरक्षित महाराष्ट्र'के तहत की गई है. एफडीए की टीमों ने 23 जुलाई से 29 जुलाई के बीच पूरे पुणे संभाग में ताबड़तोड़ निरीक्षण किए. इस जांच के दौरान अधिकारियों को कई जगहों पर गंभीर कमियां मिलीं. कई दुकानें और रेस्टोरेंट बिना साफ-सफाई के चल रहे थे. कुछ जगहों पर खाना बनाने और रखने के तरीकों में गड़बड़ी थी. वहीं



कुछ के पास वैध लाइसेंस नहीं थे. कुछ स्थानों पर सामान को गलत तरीके से स्टोर किया गया था और उनके पैकेट पर जरूरी लेबलिंग गायब थीं. एफडीए की इस कार्रवाई की चपेट में पुणे, सतारा और कोल्हापुर के कई नामी गिरामी प्रतिष्ठान आए हैं। पुणे शहर में जिन प्रमुख प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई है, इनमें विमान नगर में स्थित ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, *प्रभात रोड का मशहूर होटल लक्ष्मण, मुंधवा का पंजाबी शेफ और माधव बिरयानी, भवानी पेठ का मदीना फैमिली रेस्टोरेंट, सिंहगढ़ रोड पर स्थित हिना बेकरी, नर्हे इलाके की इंडियन बेकरी शामिल हैं. इसके अलावा सतारा और कोल्हापुर जिलों में भी कई खाद्य दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं. जांच के दौरान सिर्फ लाइसेंस निलंबित ही नहीं किए गए, बल्कि 12 अलग-अलग प्रतिष्ठानों से भारी मात्रा में खाद्य सामग्री भी जब्त की गई है. अधिकारियों को शक है कि इनमें से कई चीजें मिलावटी हैं या उन्हें बहुत ही गंदे और असुरक्षित माहौल में रखा गया था. जब्त किए गए सामानों की सूची में आम जनता के रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें शामिल हैं. घी, गुड़, भैंस का दूध, दही, पनीर, रिफाइंड पाम ऑयल और सूखी मेवा जब्त किया गया है. इसके अलावा चाय-नाश्ते और त्योहारों में काम आने वाले सामान जैसे कि चकली, फरसाण, बिस्कुट, टोस्ट, सोन पपड़ी, मलाई कुल्फी और चीनी की परत वाली मिठाइयां भी भारी मात्रा में जब्त की गई हैं. अधिकारियों ने विशेष रूप से सफेद चीनी और रिफाइंड पाम ऑयल में भारी मिलावट होने की आशंका जताई है.

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से नहीं गुजर सकेंगे कांवड़ यात्री, पुलिस एडवाइजरी की बड़ी बातें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 30 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाली कांवड़ यात्रा के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान बनाया है। यूपी, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली से करीब 15-20 लाख श्रद्धालुओं के राजधानी से होकर गुजरने की उम्मीद है। जल अभिषेक 11 और 12 अगस्त को होगा। शहर में सैकड़ों कैंप लगाए गए हैं। अकेले पूर्वी ट्रैफिक रेंज में ही करीब 120 कैंप होंगे, क्योंकि यह तीर्थयात्रियों के लिए एक मुख्य रास्ता है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एंट्री नहीं

इस रेंज में मुख्य एंट्री पॉइंट गाजीपुर, महाराजपुर, अप्सरा, भोपुरा, सोनिया विहार, लोनी और DLF बॉर्डर हैं। 47 मोबाइल ट्रैफिक सेंटर और 19 क्रेन स्टैंडबाय पर रहेंगी। सुरक्षा कारणों से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कांवड़ियों और उनके वाहनों को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर जाने से रोक दिया है। तीर्थयात्रियों से पारंपरिक रास्तों का इस्तेमाल करने को कहा गया है।



कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्य रास्ते ये हैं

अप्सरा बॉर्डर से सीलमपुर और ISBT फ्लाईओवर तक भोपुरा बॉर्डर से वजीराबाद रोड, सीलमपुर और लक्ष्य रोड होते हुए नए ISBT ब्रिज तक, भोपुरा बॉर्डर से वजीराबाद ब्रिज और आउटर रिंग रोड होते हुए; लोनी बॉर्डर से खजूरी चौक होते हुए सिग्नेचर ब्रिज या पुराने यमुना ब्रिज तक सोनिया विहार से वजीराबाद रोड होते हुए पुराने यमुना ब्रिज तकठ्ठ महाराजपुर बॉर्डर से गाजीपुर, ह्न-24 और मथुरा रोड होते हुए। अप्सरा बॉर्डर और यमुना ब्रिज के बीच लक्ष्य रोड का हिस्सा 9 अगस्त की सुबह 7 बजे से 12 अगस्त की रात 8 बजे तक बंद रहेगा। यह सिर्फ कांवड़ियों के लिए खुला रहेगा। महाराजपुर, अप्सरा, सीमापुरी, DLF, भोपुरा, लोनी, पुस्ता रोड और सोनिया विहार बॉर्डर से आम ट्रैफिक को आने की इजाजत नहीं होगी। सोनिया विहार से सिटी बसों को आने-जाने की इजाजत होगी। यात्रियों को, खासकर पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली जाने वालों को, ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ सकता है। 12 अगस्त तक लक्ष्य रोड (अप्सरा बॉर्डर से यमुना ब्रिज), वजीराबाद रोड (भोपुरा बॉर्डर से सिग्नेचर ब्रिज), विकास मार्ग, आशा राम त्यागी मार्ग (रोड नंबर 66), पुस्ता रोड और लोनी रोड पर भारी ट्रांसपोर्ट गाड़ियों (सिटी बसों को छोड़कर) की आवाजाही पर रोक होगी या उन्हें दूसरे रास्तों पर भेजा जाएगा। सिर्फ पूर्वी रेंज में ही लगभग 640 ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। दक्षिणी रेंज समेत दूसरे इलाकों में भी ऐसे ही रास्ते तय किए गए हैं, जहां कालिंदी कुंज-बदरपुर बॉर्डर/MB रोड-मथुरा रोड-मोदी मिल-मां आनंदमयी मार्ग कॉरिडोर के किनारे लगभग 38 कैंप लगाए गए हैं।

E20 पेट्रॉल पर 29 वाहन कंपनियों ने लिखित जवाब देने से किया इनकार', अरविंद केजरीवाल का दावा

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने 29 वाहन निर्माता कंपनियों को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था. उन्होंने पूछा था कि क्या 2023 से पहले बने पेट्रोल वाहनों में श्व20 ईंधन का इस्तेमाल सुरक्षित है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के दबाव में वाहन निर्माता कंपनियां यह बताने से बच रही हैं कि 2023 से पहले बने पेट्रोल वाहनों में श्व20 ईंधन का इस्तेमाल सुरक्षित है या नहीं. आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को ऑटोमोबाइल कंपनियों और केंद्र सरकार पर हमला बोला. केजरीवाल का आरोप है कि केंद्र सरकार के दबाव के चलते ऑटो निर्माता कंपनियां सार्वजनिक तौर पर यह बताने से बच रही हैं कि साल 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के लिए श्व20 ईंधन सुरक्षित है या नहीं. केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने 29 वाहन निर्माता कंपनियों को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा था. उन्होंने पूछा था कि क्या 2023 से पहले बने पेट्रोल वाहनों में श्व20 ईंधन का इस्तेमाल सुरक्षित है? और यदि इस ईंधन से गाड़ियों में खराबी आती है या माइलेज घटता है, तो क्या



कंपनियां ग्राहकों के नुकसान की भरपाई करेंगी या मरम्मत का खर्च उठाएंगी? केजरीवाल का दावा है कि किसी भी वाहन निर्माता कंपनी ने उन्हें लिखित जवाब नहीं दिया. हालांकि, उनके मुताबिक 9 कंपनियों के अधिकारियों ने उनसे मुलाकात के दौरान बताया कि 2023 से पहले निर्मित वाहनों में श्व20 ईंधन के इस्तेमाल से इंजन, ईंधन प्रणाली और वाहन की ईंधन दक्षता प्रभावित हो सकती है. उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियों के अधिकारी इन बातों को सार्वजनिक रूप से कहने से बच रहे हैं. एक्स पर वीडियो जारी करते हुए केजरीवाल ने कहा, 'उन्होंने लिखित में जवाब देने से इनकार कर दिया. आप डर के स्तर का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन नौ कंपनियों के अधिकारी मुझसे मिले और उन्होंने पूरी सच्चाई बताई.' पूर्व दिल्ली सीएम ने आरोप लगाया कि वाहन कंपनियां लिखित जवाब देने से इसलिए बच रही हैं क्योंकि अगर उनके जवाब से यह साबित होता है कि श्व20 ईंधन के कारण पुराने वाहनों को नुकसान या माइलेज में कमी हो सकती है, तो उपभोक्ता कंपनियों से मुआवजे की मांग कर सकते हैं. उन्होंने आगे दावा किया कि केंद्र सरकार चाहती है कि वाहन निर्माता सार्वजनिक रूप से यह कहते रहें कि पुराने वाहनों के लिए भी श्व20 ईंधन सुरक्षित है. श्व20 ईंधन को लेकर सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि 2023 से पहले निर्मित करीब 30 करोड़ वाहन इससे प्रभावित हो सकते हैं. इनमें लगभग 22 करोड़ दोपहिया और आठ करोड़ चारपहिया वाहन शामिल हैं. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल महंगा है

बैंक खाते किसी और के... खेल किसी और का... नागपुर में सामने आई साइबर नेटवर्क की कहानी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। 'सर, आपका बैंक अकाउंट चाहिए... बदले में पैसे मिल जाएंगे.' सुनने में यह आसान कमाई का ऑफर लगता है. लेकिन नागपुर में कई लोग इसी लालच में फंस गए. उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि उनका बैंक खाता किसी नौकरी या बिजनेस के लिए नहीं, बल्कि साइबर ठगी के पैसों को इधर-उधर भेजने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है. मामला नागपुर के जरिपटका इलाके का है, जहां पुलिस ने ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया है, जिसमें किराए के बैंक खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर की जा रही थी. जांच की शुरुआत तब हुई, जब पुलिस को नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स पोर्टल के जरिए इनपुट मिला कि शहर के करीब 62 बैंक खाते साइबर ठगी से जुड़े संदिग्ध लेन-देन में इस्तेमाल हो रहे हैं. इसके बाद पुलिस ने इन खातों की जांच शुरू की. शुरुआती जांच में 11 बैंक खातों को शॉर्टलिस्ट किया गया. जब इन खातों का रिकॉर्ड खंगाला गया तो पता चला कि इनमें देश के अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुए हैं. पुलिस के मुताबिक, ये खाते जरिपटका की इंदिरा गांधी कॉलोनी स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र की एक शाखा से जुड़े हैं. आरोप है कि साइबर ठग खाताधारकों को कुछ पैसों या कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खातों का एक्सेस हासिल कर लेते थे. इसके बाद ऑनलाइन ठगी से हासिल रकम इन्हीं खातों में ट्रांसफर की जाती और फिर आगे दूसरे खातों में भेज दी जाती थी, ताकि पैसे का स्रोत छिपाया जा सके. इस मामले में पुलिस ने सारिका कवारे, ऐश्वर्या सूर्यवंशी, निरंजन दांडसी और शेख सलीम शेख समेत कुल 11 खाताधारकों के खिलाफ तीन अलग-अलग केस दर्ज किए हैं. पुलिस के अनुसार, सिर्फ इन 11 खातों में ही करीब 36 लाख रुपये के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है. पुलिस का मानना है कि यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है. अब यह पता लगाया जा रहा है .

'स्कॉर्पियो में पीठ दर्द होता है', नेताओं की शिकायत के बाद डेढ़ करोड़ में नई गाड़ियां खरीदेगी BMC



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महानगरपालिका में नेताओं के लिए नई गाड़ियों की मांग को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है. बीएमसी के हाउस लीडर गणेश खंकर ने दावा किया कि जनवरी में दी गई महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन लंबी दूरी के सफर के लिए आरामदायक नहीं है और इससे पीठ दर्द की शिकायत होती है. इसके बाद हाउस लीडर, डिप्टी मेयर और कुछ प्रमुख समितियों के अध्यक्षों के लिए टोयोटा इनोवा क्रिस्टा खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया गया है. करीब 1.5 करोड़ रुपये के इस प्रस्ताव में डिप्टी मेयर, हाउस लीडर, नेता प्रतिपक्ष और स्टैंडिंग, इम्प्रूवमेंट और एजुकेशन कमेटी के चेयरपर्सन के लिए नई गाड़ियां देने की योजना है. वहीं, मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े पहले से ही करीब 30 से 35 लाख रुपये की टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस हाइब्रिड का इस्तेमाल कर रही हैं. इस प्रस्ताव का विपक्ष ने कड़ा विरोध किया है. बीएमसी में नेता प्रतिपक्ष किशोरी पेडणेकर ने कहा कि उन्होंने अपनी गाड़ी बदलने की कोई मांग नहीं की है. उनके मुताबिक, उन्हें इसी साल नई स्कॉर्पियो मिली है और उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है. उन्होंने इसे नगर निगम के खजाने पर अनावश्यक बोझ बताया. मेयर ऋतु तावड़े ने नेताओं की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि कई समिति अध्यक्ष दहिसर, कांदिवली और बोरीवली जैसे दूरदराज के इलाकों से आते हैं. ऐसे में लंबी दूरी की यात्रा के लिए अधिक आरामदायक वाहन जरूरी हैं. उन्होंने कहा कि इसके लिए अलग से नया टेंडर निकालने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि मौजूदा व्यवस्था में ही बदलाव किया जाएगा.

वार्ड अधिकारियों को मिलेंगी पुरानी स्कॉर्पियो-एन

बीएमसी अधिकारियों के मुताबिक, अगर प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो मौजूदा स्कॉर्पियो-एन गाड़ियां वार्ड अधिकारियों को दे दी जाएंगी, क्योंकि कई वार्ड अधिकारी अभी भी पुरानी गाड़ियों का इस्तेमाल कर रहे हैं. यह प्रस्ताव जल्द ही नगर आयुक्त अश्विनी भिडे के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. फिलहाल बीएमसी में सिर्फ नगर आयुक्त के पास इलेक्ट्रिक वाहन है. हाउस लीडर गणेश खंकर ने भी पुष्टि की है कि समूह नेताओं की बैठक में गाड़ियां बदलने की मांग आधिकारिक तौर पर उठाई गई थी. अब इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला नगर आयुक्त की मंजूरी के बाद होगा.

पानी पर करोड़ों रुपये खर्च! भारज नदी का डायवर्जन तीसरी बार बह गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। पविजेतपुर तालुका में शिहोद गांव के पास नेशनल हाईवे नंबर 56 पर भारज नदी पर बना डायवर्जन एक बार फिर भारी बारिश में बह गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह तीसरी बार है जब डायवर्जन पानी में डूबा है। पुल टूटने के बाद, करोड़ों रुपये की लागत से एक के बाद एक तीन डायवर्जन बनाए गए, लेकिन हर बार वे बारिश के आगे ताश के पत्तों की तरह ढह गए। नतीजतन, गंभीर सवाल उठ रहे हैं कि सरकार का लाखों-करोड़ों रुपये का खर्च बेकार गया है। डायवर्जन बंद होने से आसपास के गांवों के लोग जान जोखिम में डालकर नदी का बहता पानी पार करने को मजबूर हैं। महिलाएं, बुजुर्ग, छात्र और बाइक सवार जान हथेली पर रखकर नदी पार कर रहे हैं। अगर यहां किसी की जान चली जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? लोग खुलकर यह सवाल पूछ रहे हैं। स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ काफी गुस्सा है। लोगों का कहना है कि डायवर्सन बनाने के नाम पर हर साल सरकारी पैसा खर्च किया जा रहा है.



जेतपुर में खिरसरा रोड पर भादर नदी के चेक डैम में डूबने से दो युवकों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। पंथक में भादर नदी के नर पाट चेक डैम पर एक दुखद घटना सामने आई है। खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम में नहाने गए दोस्तों में से दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई है। इस अचानक हुए हादसे से मरने वालों के परिवारों में गहरा दुख फैल गया है और पूरे जेतपुर शहर में कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, जेतपुर के पास खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम पर बने चेक डैम में पांच से छह युवा दोस्त नहाने गए थे। वे पानी में नहाने गए थे। लेकिन, पानी की गहराई या बहाव का अंदाजा न लगा पाने के कारण इनमें से दो युवक गहरे पानी में डूब गए हादसे में मरने वाले युवकों की पहचान वसीम परमार (उम्र 20) और कादिर डोढिया (उम्र 17, नाबालिग) के रूप में हुई है। जैसे ही यह खबर मिली कि युवक नदी में डूब रहे हैं, आस-पास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घटना की सूचना जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराक तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराकों की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव पानी से बाहर निकाले गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस का काफिला भी तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने दोनों युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है। एक ही समय में दो युवकों की डूबने से अचानक हुई मौत से मौके पर बड़ी संख्या में लोकल लोग जमा हो गए हैं और पूरे इलाके में दुख का माहौल है।

जेतपुर में खिरसरा रोड पर भादर नदी के चेक डैम में डूबने से दो युवकों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जेतपुर। पंथक में भादर नदी के नर पाट चेक डैम पर एक दुखद घटना सामने आई है। खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम में नहाने गए दोस्तों में से दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई है। इस अचानक हुए हादसे से मरने वालों के परिवारों में गहरा दुख फैल गया है और पूरे जेतपुर शहर में कोहराम मच गया है।ठ मिली जानकारी के मुताबिक, जेतपुर के पास खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम पर बने चेक डैम में पांच से छह युवा दोस्त नहाने गए थे। वे पानी में नहाने गए थे। लेकिन, पानी की गहराई या बहाव का अंदाजा न लगा पाने के कारण इनमें से दो युवक गहरे पानी में डूब गए। हादसे में मरने वाले युवकों की पहचान वसीम परमार (उम्र 20) और कादिर डोढिया (उम्र 17, नाबालिग) के रूप में हुई है। जैसे ही यह खबर मिली कि युवक नदी में डूब रहे हैं, आस-पास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घटना की सूचना जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराक तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराकों की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव पानी से बाहर निकाले गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस का काफिला भी तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने दोनों युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है। एक ही समय में दो युवकों की डूबने से अचानक हुई मौत से मौके पर बड़ी संख्या में लोकल लोग जमा हो गए हैं और पूरे इलाके में दुख का माहौल है।

सख्त सजा से ज्यादा जरुरी है पेपर लीक होने की संभावना को खत्म करना

डिंपल यादव सहित विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार को घेरा



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों पर सख्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को बुधवार को लोकसभा से ध्वनिमत से पारित करा लिया। विधेयक में पेपर लीक और संगठित परीक्षा घोटालों के लिए कड़ी सजा, भारी जुर्माने, समयबद्ध जांच और फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस कानून को अधूरा बताते हुए कहा कि इसमें पेपर लीक रोकने के मूल उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है।

सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद की कार्रवाई पर है, जबकि सबसे जरूरी सवाल यह है कि ऐसी घटनाओं को होने से पहले कैसे रोका जाए। उनके अनुसार, फास्ट ट्रैक कोर्ट, सख्त सजा और भारी जुर्माना आवश्यक हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को दूर किए बिना समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं होगा। रांका ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में व्यापक सुधार किए जाएं, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) को वैधानिक निकाय का दर्जा मिले, परीक्षा कैलेंडर और पाठ्यक्रम में पारदर्शिता लाई जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों और कोचिंग संस्थानों की सख्त निगरानी हो। उन्होंने कहा कि ब्लैकलिस्ट किए गए वेंडरों को दोबारा काम करने से रोकना, डिजिटल और भौतिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना तथा पूरी परीक्षा व्यवस्था को मजबूत करना समय की मांग है।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जल्दबाजी में निर्णय लेने के बजाय शिक्षा और परीक्षा प्रणाली से जुड़े विशेषज्ञों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल कानून का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य का सवाल है। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और हंगामा भी हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरकार की ओर से चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। संशोधित कानून के तहत प्रश्नपत्र लीक करने या अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने पर न्यूनतम पांच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष तक की सजा तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की कैद और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करने और आरोपपत्र दाखिल होने के तीन महीने के अंदर मुकदमे का निपटारा करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इस बीच केंद्र सरकार पहले ही परीक्षा सुधारों के लिए इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन कर चुकी है। यह समिति परीक्षा प्रणाली में सुधार और भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक सुझाव तैयार करेगी।

पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज पन्नीरसेल्वम, थाम सकते हैं टीवीके का दामन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और डीएमके विधायक ओ. पन्नीरसेल्वम नाराज बताए जा रहे हैं। उनकी नाराजगी डीएमके के साथ है। वह पार्टी में कोई भूमिका नहीं मिलने से नाराज हैं। बता दें उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ने की खबरों का खंडन किया था। सूत्रों का कहना है कि डीएमके में शामिल हुए छह महीने बीत जाने के बाद भी वे और उनके बेटे दोनों को ही पार्टी के भीतर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीते विधानसभा चुनाव में थेनी सीट से विधायक बनने के बाद पन्नीरसेल्वम को थेनी लोकसभा क्षेत्र में कोई अहम भूमिका या जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसका मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि वहां से डीएमके सांसद थंगा तमिल सेल्वन का निर्वाचन क्षेत्र में दबदबा है और वे ही वहां के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में अपनी उपेक्षा और अहम पद न मिलने से निराश होकर पन्नीरसेल्वम और उनके बेटे ओपी रवींद्रनाथ अब डीएमके को अलविदा कहने और अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। बता दें तमिलनाडु में चुनावों में अपने इतिहास में पहली बार तीसरे स्थान पर खिसकने और लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद, तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में भी हाल के दिनों टूट का सिलसिला जारी रहा। बीते महीने चार लोकप्रिय पूर्व मंत्रियों और कई पूर्व विधायकों ने अन्नाद्रमुक का साथ छोड़कर सीएम विजय की सत्ताधारी पार्टी टीवीके का दामन थाम लिया था। टीवीके में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता उडुमलाई के राधाकृष्णन, एम सी संपत, कड़म्बूर सी राजू और एन आर शिवपति शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने पूर्वी तट मार्ग पर स्थित पनायुर उपनगर में टीवीके के मुख्य कार्यालय का दौरा किया। वहां उन्होंने टीवीके के महासचिव आनंद और चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना से मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

छात्रों पर गोली चली ही नहीं, तो फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता

-बीजेपी सांसद पात्रा ने कहा राहुल गांधी तथ्यों के बजाय जनता में भ्रम फैला रहे



नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में छात्रों पर फायरिंग और गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी तथ्यों के बजाय भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी को कानून और प्रक्रिया की जानकारी नहीं है तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं से जानकारी लेनी चाहिए, लेकिन जागते हुए जो सो रहे हैं, उन्हें जगाया नहीं जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा में दावा किया कि छात्र आंदोलन में पुलिस ने गोली चलाई और इसका आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने दिया। बीजेपी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठ और निराधार बताते हुए कहा कि छात्रों पर गोली चली ही नहीं, इसलिए फायरिंग का आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। संबित पात्रा ने कहा कि किसी भी प्रदर्शन या मार्च के दौरान यदि कानून-व्यवस्था की स्थिति बनती है तो मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट परिस्थितियों के मुताबिक फैसो लेते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री इस तरह की कार्रवाई का आदेश नहीं देते। ऐसे में अमित शाह पर लगाया गया आरोप जनता को गुमराह करने वाला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में इडियट और अंधभक्त जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने छात्रों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटते हुए उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि देश का हर छात्र एक विद्यार्थी है और किसी भी छात्र को इडियट या अंधभक्त कहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। लोकसभा में राहुल गांधी की ओर से गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए पात्रा ने कहा कि अमित शाह किसी भी कार्यक्रम में छिपकर नहीं जाते।

उन्होंने दावा किया कि गृह मंत्री के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम पहले से घोषित होते हैं और जिस समय राहुल गांधी भाषण दे रहे थे, उस दौरान भी अमित शाह सदन में मौजूद थे। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने केवल सनसनी फैलाने के लिए उनका नाम लिया। पात्रा ने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार पहले ही 2024 में कानून बना चुकी थी और अब उसे और ज्यादा कठोर बनाने के लिए संशोधन लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस विधेयक पर करीब 45 सांसदों ने चर्चा की और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे लोकसभा में पेश किया। पात्रा ने इसके लिए पीएम मोदी का आभार माना।

पंजाब में पेपर लीक मामले में सीजेपी की चुप्पी पर उठा रहे सवाल

बीजेपी, कांग्रेस ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा



नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 36 दिनों के छात्र आंदोलन के बाद इस्तीफा देना पड़ा। इस घटना ने पूरे देश में पेपर लीक के मामलों पर सरकारों की जवाबदेही पर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। इसी पृष्ठभूमि में, पंजाब में भी पेपर लीक का मुद्दा गर्माया हुआ है, लेकिन भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार फिलहाल पूरे मामले में चुप है। फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी से जुड़ी फार्मेसी ऑफिसर परीक्षा के पेपर लीक और नकल का मामला सामने आने के बाद सूबे की राजनीति में उबाल आ चुका है। कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल सहित सभी प्रमुख विपक्षी दल मान सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। विपक्षी दल पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि जब केंद्र सरकार ने नैतिकता के आधार पर अपने मंत्री का इस्तीफा लिया, तब पंजाब की आप सरकार क्यों अपनी विफलताओं से मुंह मोड़ रही है?

जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि बीते साढ़े चार सालों में मान सरकार के कार्यकाल में फार्मेसी भर्ती परीक्षा, 12वीं अंग्रेजी परीक्षा, ग्रुप-बी पेपर, नायब तहसीलदार और कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा सहित कम से कम छह बड़े पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। लेकिन इस पर सीएम मान और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल चुप्पी साधे हुए है। हालांकि, मुख्यमंत्री भगवंत मान इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि उनकी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि जो मामला सामने आया, वह असल में हाई-टेक नकल गिरोह का था, जिसमें पेन कैमरे और ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल हुआ था, और पुलिस ने तत्परता दिखाकर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया। विपक्षी दल इस तर्क को सिरे से खारिज कर इस मान सरकार की विफलता छिपाने का प्रयास बता रहे हैं, उनका कहना है कि परीक्षा की पवित्रता का भंग होना सीधे तौर पर व्यवस्था की चूक है।

इस बीच, सबसे बड़ा सवाल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की चुप्पी पर उठ रहा है, जिसने जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आक्रामक छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था। विपक्षी दल, विशेषकर दिल्ली भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, सीजेपी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। सिरसा ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को उनके पुराने वादे की याद दिलाकर कहा कि उन्हें पंजाब के युवाओं के लिए भी आवाज उठानी चाहिए। उनका सवाल है कि दिल्ली में हमलावर रहने वाली सीजेपी पंजाब के छात्रों के भविष्य पर खामोश क्यों है?

वहीं, सीजेपी के फाउंडर दीपके ने फिलहाल वेट एंड वाच मोड में रहने की बात कही है। उन्होंने मीडिया से थोड़ा समय देने का आग्रह कर कहा कि उनकी टीम पंजाब के मुद्दे पर रणनीति बना रही है और जल्द ही आगे की योजना का ऐलान होगा। उनका तर्क है कि दिल्ली का आंदोलन हाल ही में खत्म हुआ है, इसलिए उन्हें पूरी तैयारी के साथ नए मुद्दे पर उतरने के लिए समय चाहिए। बहरहाल, पंजाब में पेपर लीक का मुद्दा लगातार गरमा रहा है और मान सरकार पर बढ़ता राजनीतिक दबाव साफ दिख रहा है। विपक्ष की आक्रामकता और छात्र संगठनों के संभावित लामबंदी के बीच, सीजेपी की चुप्पी भी अब सवालों के घेरे में आ गई है, जिससे यह मामला और भी जटिल होता जा रहा है।

घायल के इलाज का आदेश देकर बोला सुप्रीम कोर्ट- असाधारण परिस्थितियों में कर सकते पैलेट गन का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल हुए लोगों, विशेषकर पैलेट गन के छर्रों से जख्मी हुए प्रदर्शनकारियों के इलाज का निर्देश रेखा गुप्ता सरकार को दिया है। शीर्ष अदालत ने इस दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस वी. मोहाना भी शामिल थे, ने दिल्ली बीजेपी सरकार को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले। यह आदेश 20 जुलाई को पेपर लीक के विरोध में सीजेपी के बैनर तले संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं के संदर्भ में आया है। अदालत ने प्रदर्शन के दौरान तैनात रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा हथियारों के उपयोग का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त यशोवर्धन आजाद और पैलेट से घायल हुए दो अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर गौर किया, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धातु वाले पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग हुई थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के परामर्श का हवाला देकर कहा कि असाधारण परिस्थितियों में पुलिस को पैलेट गन के इस्तेमाल का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह 20 जुलाई को सीजेपी की अगुवाई में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के उपयोग से संबंधित मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि घटना में दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर पैलेट गन का इस्तेमाल किया, जिससे कई लोग घायल हुए और एक छात्र की आंखों की रोशनी चली जाने का आरोप है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर जनहित याचिका में सभी घायलों के लिए उचित मुआवजा, समुचित चिकित्सा सुविधा और पुनर्वास की भी मांग की गई है।

नड्डा संग टीएमसी नेताओं ने किया भोजन शत्रुघ्न सिन्हा पर टिकी नजर



कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक तस्वीर ने इन दिनों नई बहस छेड़ दी है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। संसद परिसर में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की मौजूदगी को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दोनों वरिष्ठ टीएमसी नेताओं का नड्डा के साथ बातचीत करना और भोजन करते हुए तस्वीर सामने आना, राजनीतिक अटकलों को तेज़ कर गया है, हालांकि इस मुलाकात के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।दरअसल, संसद के एनेक्सी भवन में बुधवार को क्षय रोग (टीबी) से जुड़े एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल के कई सांसद शामिल हुए। इसी दौरान एक ऐसा क्षण कैमरे में कैद हो गया, जब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और अनुभवी सांसद सौगत रॉय एक ही जगह पर, एक ही मेज पर बैठे नजर आए।

यह तस्वीर सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने जेपी नड्डा से काफी देर तक बातचीत की। उसी मेज पर सौगत रॉय भी बैठे हुए थे और भोजन कर रहे थे। हालांकि, इन तीनों नेताओं के बीच आखिर क्या बातचीत हुई, इसकी कोई भी आधिकारिक या अनौपचारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है, और यही चुप्पी राजनीतिक अटकलों को और भी ज़्यादा गहरा कर रही है। बाद में एक और तस्वीर सामने आई, जिसमें जेपी नड्डा भोजन करते दिख रहे थे जबकि सौगत रॉय उनके सामने खड़े दिखाई दिए। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी कई तरह के दावे किए जाने लगे। कुछ लोग इसे सांसदों के बीच एक सामान्य संसदीय मुलाकात बता रहे हैं, तो वहीं कई राजनीतिक विश्लेषक इसे बदलते राजनीतिक समीकरणों और टीएमसी के भीतर संभावित असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं। यह चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी को लेकर पहले से ही कई तरह की बातें चल रही हैं। हाल के दिनों में पार्टी के कई नेताओं और सांसदों ने पाला बदला है, जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी पहले से ही मुश्किल दौर से गुज़र रही है। ऐसे में इस नई तस्वीर ने पार्टी के भविष्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, संसद के मानसून सत्र से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एनसीपीआई (नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्लियामेंटेरियंस फॉर इंडिया) को सर्वदलीय बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। बाद में एनडीए की बैठक में भी उनके नेताओं की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी। इसी बीच अब शत्रुघ्न सिन्हा और सौगत रॉय की जेपी नड्डा के साथ तस्वीर सामने आने से राजनीतिक चर्चाओं को और बल मिल गया है। अब तक न तो टीएमसी, न बीजेपी, न ही शत्रुघ्न सिन्हा या सौगत रॉय की ओर से इस मुलाकात पर कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण जारी किया गया है। यही कारण है कि इस तस्वीर को लेकर केवल कयास ही लगाए जा रहे हैं। क्या यह केवल एक सामान्य संसदीय शिष्टाचार भेंट थी, या इसके पीछे कोई गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है और यह सवाल पश्चिम बंगाल की राजनीति में आने वाले समय में नई हलचल पैदा कर सकता है।

बांकीपुर उपचुनाव के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामा, प्रशांत किशोर की एसएचओ को चेतावनी

समर्थकों को अवैध हिरासत में लेने का आरोप, जक्कनपुर थाने में घंटों चला विवाद



पटना (एजेंसी)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए गुरुवार सुबह मतदान शुरू होते ही राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। जन सुराज के संस्थापक और बांकीपुर से उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जक्कनपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) ऋतुराज कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इस दौरान थाने में प्रशांत किशोर और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव में पुलिस ने उनके दो समर्थकों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिया और बाद में उन्हें कहीं और भेज दिया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस यह बताने में भी असमर्थ है कि दोनों लोगों को कहां रखा गया है। उनका कहना था कि यदि समर्थकों को किसी प्रकार की क्षति पहुंची तो इसकी जिम्मेदारी जक्कनपुर थाना प्रभारी ऋतुराज कुमार सिंह की होगी। मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार की जनता पूरी घटना देख रही है और यदि समर्थकों के साथ कोई अनहोनी होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस बिना रिकॉर्ड और स्पष्ट आदेश के कार्रवाई कर रही है तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं हो रही है।

घटना के बाद प्रशांत किशोर अपने समर्थकों की रिहाई की मांग को लेकर जक्कनपुर थाने में ही डटे रहे। इस दौरान सामने आए वीडियो में वह थाना प्रभारी से लगातार सवाल करते नजर आए। जवाब में एसएचओ ऋतुराज कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध जानकारी दे दी है और उन्हें थाने में बैठकर धमकाया जा रहा है। विवाद के दौरान थाना प्रभारी का एक बयान भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कहा, आप इसलिए धमकी दे रहे हैं क्योंकि हम वर्दी में हैं। अगर वर्दी उतार देंगे तो आपके बराबर में आ जाएंगे। वहीं, जब मीडिया ने हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, आप लोग अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और हम अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी: आरोपी के सरकारी मकान से मिले मंदिर के कीमती उपहार व नकदी

-एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी



देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में गड़बड़ी मामले में जांच तेज हो गई है। एसआईटी को इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मुख्य आरोपी और बदरी-केदार मंदिर समिति के पूर्व वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के बदरीनाथ स्थित सरकारी आवास से मंदिर के कीमती चीजें और भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। जांच टीम आरोपी प्रमोद को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर बदरीनाथ पहुंची थी, जहां उसकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे।

एसआईटी ने बदरीनाथ स्थित नीलकंठ वीवीआईपी गेस्ट हाउस की पहली मंजिल पर बने आरोपी प्रमोद नौटियाल के सरकारी आवास का ताला खुलवाकर तलाशी ली। जांच में कमरे से मंदिर से जुड़े बेशकीमती उपहार और 500-500 रुपए के नोटों की भारी नकदी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पूछताछ में कुबूल किया कि वह कुछ सामग्री अपने साथ ले गया था। अब एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बदरीनाथ में कार्रवाई के साथ ही एसआईटी की दूसरी टीम ने देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित प्रमोद नौटियाल के निजी आवास पर भी छापेमारी की। यहां से संपत्तियों, बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी रकम को संपत्तियां खरीदने या अन्य निवेशों में इस्तेमाल किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जांच में सामने आया है कि बदरीनाथ मंदिर में 2 जुलाई तक दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपए की नकदी दर्ज की गई थी। शुरुआती चरण में करीब 23 करोड़ रुपए की गणना पूरी हो चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है। सवाल यह भी उठ रहा है कि लगातार निगरानी के बावजूद हेराफेरी कैसे होती रही। चढ़ावा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर्मचारी, भंडार प्रभारी, वरिष्ठ सहायक और लेखा लिपिक समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। चमोली पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रमोद से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संदिग्ध ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

कच्चे तेल में फिर गिरावट, तनाव के बीच भी आपूर्ति बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले कारोबारी दिन की जोरदार उछाल के बाद गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह यह रही कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बाजार को यह विश्वास है कि तेल की वैश्विक आपूर्ति पूरी तरह से बाधित नहीं हुई है। ताजा कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 86.94 डॉलर प्रति बैरल पर और डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1.4 फीसदी टूटकर 83.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल के दामों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बुधवार को जहां कीमतों में जोरदार उछाल आया था, वहीं मंगलवार को भी इनमें गिरावट दर्ज हुई थी। मौजूदा गिरावट का सबसे बड़ा कारण यही है कि लाल सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल और मालवाहक जहाजों की आवाजाही लगातार जारी है। रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य से 39 मालवाहक जहाज गुजरे, जो हाल के दिनों में सबसे अधिक संख्या है, जिससे बाजार की चिंताएं कुछ कम हुई हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव कम नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान समर्थित ठिकानों के बीच हमले-जवाबी हमले की खबरें आ रही हैं। ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला करने का दावा किया है, वहीं यमन के हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में जहाजों पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। ऐसे में, भले ही तत्काल आपूर्ति जारी है, लेकिन भविष्य में संघर्ष बढ़ने से तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका बनी हुई है।

सोने की कीमतों में हल्की बढ़त, चांदी के भाव फिसले

- सोने का भाव 114 रुपए चढ़कर 141895 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।



भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जहां सोने की कीमत में हल्की बढ़त दर्ज की गई, वहीं चांदी के दाम में गिरावट आई। दिल्ली, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के भाव में बदलाव आया है। सुबह 9 बजे के आंकड़ों के अनुसार एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 114 रुपये चढ़कर 141895 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का वायदा भाव 1487 रुपये फिसलकर 215992 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। जबकि 30 जुलाई को चांदी का खुदरा भाव 235 रुपए प्रति ग्राम और 2,35,000 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। शहरों में भी सोने के भाव में बदलाव देखा गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,431 रुपये प्रति ग्राम पर था, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और केरल में इसकी कीमत 14,416 रुपये प्रति ग्राम रही। चेन्नई में यह 14,415 रुपये और वडोदरा व अहमदाबाद में 14,421 रुपये प्रति ग्राम बिका। जयपुर में 24 कैरेट सोना 82 रुपए की बढ़त के साथ 14,448 रुपए प्रति ग्राम, 22 कैरेट 75 रुपए चढ़कर 13,245 रुपए प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 62 रुपए की बढ़त के साथ 10,840 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया। 22 कैरेट सोना दिल्ली में 13,229 रुपये प्रति ग्राम और अधिकांश अन्य शहरों में 13,214 रुपये प्रति ग्राम के आसपास रहा। 18 कैरेट सोने का दाम चेन्नई में 11,029 रुपये, दिल्ली में 10,827 रुपये और मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु सहित कई शहरों में 10,812 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी यह मिलाजुला रुख कायम रहा। सोना 0.45 फीसदी उछलकर 4,054 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 0.70 फीसदी फिसलकर 57.685 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद, फेड चेयरमैन ने महंगाई को एक बड़ी चिंता बताया, जिससे निवेशकों की नजर फेड की आगे की नीतियों पर बनी हुई है। सोने को महंगाई से बचाव का एक अच्छा निवेश माना जाता है, और ईरान-यूएस हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने को सहारा दिया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 274 अंक , निफ्टी 66 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 273.55 अंक बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.95 अंक बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में गिरावट रही।

आज निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक उछले। निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स के शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे जबकि एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो के शेयर गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत



रही। शुरुआती कारोबार में जहां प्रमुख सूचकांकों में मामूली उतार-चढ़ाव दिखा, वहीं सेक्टरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर दर्ज किया गया। सुबह 9:19 बजे तक सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 77,619.20 पर था, जबकि निफ्टी50 मामूली बढ़त के साथ 24,261.90 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.56 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 95.59 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में कुछ बढ़त गंवाकर 95.63 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 13 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.76 पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को यह 17 पैसे की बढ़त के साथ 95.82 प्रति डॉलर पर रहा था। उससे पहले लगातार दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 74 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 101.79 पर रहा।

गोल्ड लोन नियमों में हुआ बदलाव, अब चुकानी होगी मासिक किस्त

छोटे कर्जदारों को होगी परेशानी, एनपीए बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । सोने के गहने गिरवी रखकर कर्ज लेने वाले ग्राहकों को जल्द ही एक बड़े बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश का गोल्ड लोन बाजार अब एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजरेगा, जहां एकमुश्त भुगतान (बुलेट पेमेंट) की जगह नियमित मासिक किस्त (ईएमआई) प्रणाली लागू होगी। यह बदलाव कर्ज चुकाने का तरीका बदलने के साथ-साथ गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भी वृद्धि ला सकता है। रिपोर्ट के अनुसार एनबीएफसी के करीब 90 फीसदी ग्राहक बुलेट पेमेंट का इस्तेमाल करते थे, जहां मूलधन और ब्याज का एकसाथ भुगतान लोन अवधि के अंत में होता था। यह प्रणाली अब नियमित मासिक किस्त में बदल जाएगी। ग्राहकों को हर महीने भुगतान करना होगा और इसमें ढलने में मुश्किल होने से निकट भविष्य में एनपीए बढ़ने का अनुमान है। यह बदलाव बैंकों और एनबीएफसी के लिए सोने के भाव में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिम को कम करेगा। इक्रा का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-28 तक गोल्ड लोन बाजार 30 फीसदी से अधिक की सीएजीआर से बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। एनबीएफसी की बाजार हिस्सेदारी भी 23 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है।

शेयर बाजार की चकाचौंध पर भीतर से कमजोर, कहीं खतरे की घंटी तो नहीं?

दिख रहा मजबूत बाजार, पर असलियत है कुछ और

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार भले ही मौजूदा समय में मजबूत दिखाई दे रहा हो, लेकिन एक ब्रोकरेज फर्म ने इसके पीछे की वास्तविक तस्वीर को लेकर चिंता जताई है। फर्म का कहना है कि बाजार की मौजूदा रफ्तार मुख्य रूप से घरेलू निवेशकों की खरीदारी पर टिकी है, जबकि कंपनियों की कमाई की वृद्धि धीमी पड़ रही है और अर्थव्यवस्था में कई संरचनात्मक चुनौतियां बनी हुई हैं। इस माहौल में फर्म ने निवेशकों को रक्षात्मक क्षेत्रों में निवेश करने की सलाह दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों की कमाई की रफ्तार अब पहले जैसी तेज नहीं रही है और बाजार का वैल्यूएशन भी कम हो रहा है। इसके बावजूद बाजार में बड़ी गिरावट न आने का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी है। फर्म ने चेतावनी दी है कि यदि यह सहारा कमजोर पड़ता है, तो बाजार पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर तब जब विदेशी निवेशक भी बाजार से दूरी बनाए हुए हैं।

रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की सुस्त पड़ती रफ्तार पर भी प्रकाश डाला गया है। कागजी आंकड़ों और जमीनी हकीकत के बीच बढ़ता अंतर चिंता का विषय है। साथ ही शहरों में वेतन वृद्धि की धीमी गति और ग्रामीण आय में कमी के कारण आम लोगों की क्रय शक्ति पर दबाव है। बढ़ती महंगाई के साथ यह स्थिति उपभोक्ता खर्च और कंपनियों की बिक्री को प्रभावित कर सकती है। बाहरी मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उछाल और रुपये पर दबाव बाजार के लिए प्रमुख जोखिम बने हुए हैं। ब्रोकरेज ने बैंकिंग क्षेत्र पर भी दबाव का जिक्र किया, जहां लोन वृद्धि के बावजूद जमा दरों में वृद्धि से बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन प्रभावित हो रहा है। इन चुनौतियों के मद्देनजर ब्रोकरेज फर्म ने निवेशकों को फार्मा, डिफेंस और एफएमसीजी जैसे डिफेंसिव सेक्टरों पर भरोसा करने की सलाह दी है।

वैश्विक सोने की मांग स्थिर, केंद्रीय बैंकों की खरीद में रिकॉर्ड उछाल

अप्रैल-जून में निवेश मांग घटी, लेकिन ओटीसी और सरकारी खरीद ने संभाला

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में वैश्विक सोने की कुल मांग लगभग स्थिर रहकर 1,269 टन दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान तिमाही के लगभग बराबर रहा, जो शुरुआती रिकॉर्ड कीमतों के बाद बाजार में आई कुछ नरमी के बावजूद मांग में स्थिरता दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंकों की रिकॉर्ड खरीद और ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) निवेश ने गिरावट को थामे रखा। डब्ल्यूजीसी की क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में सोने की मांग सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन रही, जिसका मूल्य 3,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा।दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सोने के बिस्कुट और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। सोने की कीमतों में नरमी आने से वर्ष की शुरुआत में देखी गई मजबूत निवेश गति धीमी पड़ गई।



हालांकि, गोल्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी के बावजूद, पहली छमाही में ईटीएफ की कुल मांग 18 टन के साथ सकारात्मक बनी रही। सोने के बिस्कुट व सिक्कों में निवेश अपेक्षाकृत स्थिर रहा, तिमाही में तीन प्रतिशत घटा, लेकिन पहली छमाही में यह 21 प्रतिशत अधिक रहा। वहीं एशियाई निवेशकों के मजबूत समर्थन से ओटीसी बाजार में मांग दूसरी तिमाही में 327 टन रही, जिसने कुल मांग को सहारा दिया। डब्ल्यूजीसी के भारत प्रमुख सचिन जैन ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में केंद्रीय बैंकों और अन्य आधिकारिक संस्थानों ने अपने भंडार में शुद्ध 289 टन सोना जोड़ा, जो सालाना आधार पर 62 प्रतिशत अधिक है।

एचएफसीएल को 441 करोड़ रुपए का नया निर्यात ठेका मिला

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल के निर्यात के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 441.53 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को जनवरी, 2027 तक पूरा किया जाना है।

एचएफसीएल ने कहा कि कंपनी को अपनी विदेशी अनुषंगी के माध्यम से एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 4.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर (441.53 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है।''इस महीने की शुरुआत में भी एचएफसीएल को एक अंतरराष्ट्रीय डेटा सेंटर कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए 495.8 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर मिला था। एचएफसीएल ने अपनी फाइबर ऑप्टिक केबल उत्पादन क्षमता को 3.9 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 4.5 करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर करने की घोषणा की है। कंपनी ऑप्टिकल फाइबर की उत्पादन क्षमता भी तीन करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर (आरकेएम) प्रतिवर्ष से बढ़ाकर चार करोड़ फाइबर-रूट किलोमीटर कर रही है।कंपनी के ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कारोबार की ऑर्डर बुक गत वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 13,483 करोड़ रुपये थी।

एथनॉल के डर से हाई-ऑक्टेन पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से ज्यादा बढ़ी

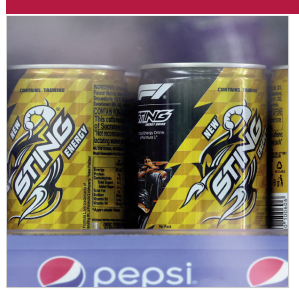
जुलाई में विवाद बढ़ने से मांग में तेजी, अधिकारी बोले, यह उछाल अस्थायी

नई दिल्ली ।

एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को संभावित नुकसान पहुंचने की बढ़ती चिंताओं के बीच हाल के महीनों में एथनॉल-मुक्त 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह उछाल जुलाई माह में खास तौर पर ज्यादा देखा गया, जब पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद अपने चरम पर था, जिसने उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ा दीं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल (एक्सपी100), भारत पेट्रोलियम (स्पीड100) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (पावर100) ब्रांड के तहत यह उच्च-ऑक्टेन ईंधन बेचती हैं। यह विशेष रूप से सुपरकार, लक्जरी सिडैन और सुपरबाइक जैसी उच्च-प्रदर्शन वाली गाड़ियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालांकि, देश की कुल पेट्रोल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी महज 0.1 प्रतिशत है, लेकिन सोशल मीडिया पर एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों ने इसकी मांग में अचानक वृद्धि कर दी है। सूत्रों के अनुसार एथनॉल-मुक्त पेट्रोल की इस बढ़ी हुई मांग का सबसे ज्यादा असर दिल्ली में देखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में 100-ऑक्टेन प्रीमियम पेट्रोल की कीमत लगभग 160 रुपये प्रति लीटर है, जो सामान्य पेट्रोल (20 फीसदी एथनॉल मिश्रित, 102.12 रुपए लीटर) से लगभग 57 फीसदी महंगा है।

हाई-कैफीन ड्रिंक्स पर एनर्जी ड्रिंक का टैग लगाने पर रोक

कंपनियों को लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय



नई दिल्ली ।

भारत के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने हाई-कैफीन वाले पेय पदार्थों पर एनर्जी ड्रिंक शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। नियामक का कहना है कि इन उत्पादों के लिए देश में कोई आधिकारिक मानक नहीं हैं, और शरीर को ऊर्जा देता है या कमजोरी दूर करता है जैसे दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। एफएसएसएआई ने कंपनियों को अपने उत्पादों पर ऐसे दावे करने से भी रोका है। इस निर्देश का पेप्सी सहित कई कंपनियों ने शुरू में विरोध किया था, उनका तर्क था कि इससे उनके ब्रांड और बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार कंपनियों ने अंततः नियमों का पालन करने पर सहमति व्यक्त कर दी है, और एफएसएसएआई ने उन्हें लेबल बदलने के लिए 90 दिन का समय दिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है

जब दुनिया भर में हाई-कैफीन, चीनी और टॉरिन युक्त पेय पदार्थों से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के कारण इन पर लगाम कसी जा रही है। उदाहरण के लिए इंग्लैंड अगले साल अप्रैल से 16 साल से कम उम्र के बच्चों को ऐसे पेय बेचने पर प्रतिबंध लगाएगा।

इंडियन बेवरेज एसोसिएशन ने सरकार के नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है और विज्ञान आधारित नीतियों का समर्थन किया है। हालांकि, एसोसिएशन ने एफएसएसएआई से किसी भी बड़े नियम को लागू करने से पहले कंपनियों से चर्चा करने का आग्रह किया है

ताकि नियमों का सुचारु कार्यान्वयन हो सके और विवादों को टाला जा सके।

फेड ने ब्याज दरें अपरिवर्तित रखीं, महंगाई पर कड़ा रुख जारी

तीन एफओएमसी सदस्यों ने दर वृद्धि का किया समर्थन



नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख ब्याज दरों को 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है। यह फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन नीति निर्धारण समिति के तीन सदस्यों ने दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का समर्थन कर आंतरिक मतभेद को उजागर किया।

फेड ने उच्च महंगाई पर कड़ी नजर रखने की बात दोहराई है। क्लीवलैंड, डलास और मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व बैंकों के अध्यक्षों ने मौजूदा आर्थिक स्थितियों के मद्देनजर दरों में वृद्धि को उचित बताया। उन्होंने अप्रैल की बैठक में भी ब्याज दरों में नरमी के संकेतों का विरोध किया था। नए फेड चेयर केविन वॉर्श के नेतृत्व में फेड ने बयान दिया कि महंगाई दर अभी भी उसके 2त्न के दीर्घकालिक लक्ष्य से ऊपर है। केंद्रीय बैंक ने भविष्य के फैसलों के लिए आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर रहने का संकेत दिया, और महंगाई को लेकर अपने सख्त रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई।

फेड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया, जिसमें आर्थिक गतिविधियां ठोस गति से बढ़ रही हैं और रोजगार बाजार भी स्थिर बना हुआ है। रोजगार सृजन की रफ्तार श्रमबल की वृद्धि के अनुरूप है। इस फैसले के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट कम हुई, जबकि ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी सीमित रही और डॉलर कमजोर हुआ। बाजार अब आगामी आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डि जिट में किया 139 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस में करीब 0.62 प्रतिशत हिस्सेदारी 139 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह सौदा उद्यम पूंजी कंपनी पीक एक्सवी पार्टनर्स से किया गया, जैसा कि एनएसई पर उपलब्ध सौदे के आंकड़ों से पता चला है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के 57,21,378 शेयर खरीदे। इस सौदे का औसत मूल्य 243 रुपये प्रति शेयर रहा, जिससे कुल सौदे का मूल्य 139.03 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

इस लेनदेन में अमेरिका की पीक एक्सवी पार्टनर्स ने अपनी संबद्ध इकाई पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-3 के माध्यम से इतनी ही संख्या में शेयर इसी कीमत पर बेचे। यह उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी पीक एक्सवी



पार्टनर्स ने गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के 33.3 लाख से अधिक शेयर 100 करोड़ रुपये में बेचे थे।

हाल ही में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मंगलवार को गोडिजिट इन्फोवर्क्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस में प्रस्तावित विलय को मंजूरी दी थी।

गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस भारत में विभिन्न सामान्य और स्वास्थ्य बीमा उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान करती है।



बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।



सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं। डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।



निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।



आदत बदलें सेहत सुधारें



कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं :-



पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।



मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं

कढ़ी पत्ता



कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान



आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

नीली से केसरिया हुई भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर बढ़ा विवाद, हॉकी इंडिया ने बताया क्यों बदला रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले FIH विश्व कप में पारंपरिक नीली जर्सी नहीं बल्कि केसरिया रंग की जर्सी पहनेगी। जर्सी का रंग बदलने के इस फैसले पर विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने कहा है कि कोचों और खिलाड़ियों के अनुरोध पर तकनीकी कारणों से यह फैसला लिया गया है। इस फैसले पर हालांकि पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा ने सवाल उठाते हुए कहा है कि हॉकी टीम बरसों से नीली जर्सी में खेलती आई है और प्रशंसक भी उसे इसी रंग में देखना चाहते हैं।

विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, 'यह देखा गया कि नीली जर्सी नीले रंग की एस्ट्रो टर्फ (मैदान की सतह) के साथ घुल-मिल जाती थी जबकि अंतरराष्ट्रीय हॉकी पिचों के लिए नीला रंग ही अब मानक है। इस एक जैसे रंग की वजह से खिलाड़ियों को मैदान पर साफ देखने में दिक्कत होती थी।' इसमें कहा गया 'कोचों और खिलाड़ियों ने पीले या केसरिया जैसे दूसरे रंगों का सुझाव दिया। अच्छी तरह सोच विचार के बाद केसरिया रंग को चुना गया। तकनीकी जरूरत को पूरा करने के अलावा केसरिया रंग का गहरा महत्व भी है क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में से एक है और साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।'

इसमें कहा गया, 'कोचों और खिलाड़ियों से तकनीकी फीडबैक मिलने और हमारे राष्ट्रध्वज का रंग होने से इस रंग के सांकेतिक महत्व को देखते हुए यह फैसला किया गया।' जर्सी विवाद के राजनीतिक रंग लेने के बीच हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी के कहने पर नहीं बल्कि सिर्फ तकनीकी कारणों से लिया गया। टिर्की ने कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जर्सी का रंग बदलने के लिए किसी का दबाव नहीं था। यह सिर्फ खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के अनुरोध पर किया जा रहा है। इसका कारण पूरी तरह से तकनीकी है। मैं अनुरोध करता हूं कि टूर्नामेंट से पहले ऐसा कोई अनावश्यक विवाद नहीं हो जिससे टीम और खिलाड़ियों पर असर हो।'

इससे पहले हॉकी इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पेज पर नई जर्सी का अनावरण करते हुए कहा कि जर्सी का डिजाइन और रंग एक कहानी बताने और भारत का गौरव दिखाने के लिए है। हॉकी इंडिया ने कहा कि केसरिया रंग साहस, बलिदान और जीत का प्रतीक है। इसने कहा, 'भारत के राष्ट्रध्वज और उगते हुए सूरज से प्रेरित यह जर्सी नयी शुरूआत की प्रतीक है।'

विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा। जर्सी पर 'मंडाला' कला से प्रेरित पैटर्न हैं जो भारत की सांस्कृतिक विरासत दर्शाते हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस पर गहरा नेवी ब्लू रंक अशोक चक्र से प्रेरित है जो प्रगति, शांति और फोकस का प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने कहा कि छाती पर बना ग्राफिक सुदर्शन चक्र का एक आधुनिक रूप है, जो 'ताकत, एकता और गति' का प्रतीक है। कंधों और बाजुओं पर तिरंगे की पाइपिंग है जो राष्ट्रीय गौरव की द्योतक है। जर्सी के आगे के हिस्से पर देवनागरी लिपि में 'इंडिया' लिखा है जो भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।



हॉकी इंडिया ने कहा ,'नयी जर्सी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना की परिचायक है।' भारतीय टीम के पास केसरिया के साथ इसी तरह की सफेद जर्सी भी होगी । पूर्व कप्तान रासकिन्हा ने हालांकि जर्सी का रंग बदलने के फैसले पर सवाल किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हॉकी इंडिया ने खेल के लिये बहुत कुछ किया है लेकिन यह निराशाजनक है। भारतीय टीम की विरासत और पहचान नीला रंग रही है। मैंने कई साल तक गर्व से नीली जर्सी पहनी है। प्रशंसक हमारी टीम को नीले रंग में देखना चाहते हैं। यह केसरिया रंग का क्या तुक है।' ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सीईओ ने कहा, 'मेरा सरल और सीधा प्रश्न अपने गर्व, पहचान और विरासत से जुड़ा है।'

हॉकी इंडिया ने अपने बयान में कहा कि पहले भी जर्सी का रंग बदलता रहा है। इसमें कहा गया, 'भारतीय हॉकी में टीम की जर्सी का रंग बदलने का यह नया मामला नहीं है। समय समय पर राष्ट्रीय टीम की किट का रंग जरूरत के हिसाब से बदलता रहा है।' बयान में कहा गया, '2014 एफआईएच विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग पीला था और 2018 में हल्का नीला और बिल्कुल अलग डिजाइन में।'

रूट बने इंग्लैंड के नये टेस्ट कप्तान, फ्लेमिंग बने कोच



लंदन (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान बने है। बेन स्टोक्स के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण ये पद खाली हुआ था। वहीं न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया कोच बनाया गया है। वह ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेंगे। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नये कोच और कप्तान के नामों की घोषणा की है। बोर्ड ने रूट को दूसरी बार कप्तानी सौंपी है। ईसीबी ने टेस्ट टीम में हुए बदलाव की पुष्टि की है।स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद रूट ने अगले मैच में कप्तानी की थी। वहीं सीरीज हारने के बाद मैकुलम को कोच पद से हटा दिय गया था। टीम के नये कोच फ्लेमिंग ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा था कि वह इंग्लैंड के कोच बनाये जा सकते हैं। ईसीबी के साथ उनका चार साल का अनुबंध है। उनका यह कार्यकाल सितंबर 2030 के अंत तक जारी रहेगा। फ्लेमिंग को कोच का अच्छा अनुभव है वह आईपीएल के अलावा द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के मुख्य कोच भी रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य लीगों में भी वह कोच रहे हैं।

53 वर्षीय फ्लेमिंग हालांक पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे। उस सीरीज़ में मार्कस ट्रेस्कोथिक अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। सीएसके के साथ 18 साल का लंबा सफ़र समाप्त होने के बाद फ़्लेमिंग फ़िलहाल अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। वह इस गर्मियों के अंत में इंग्लैंड पहुंचेंगे और दिसंबर में शुरू होने वाले दक्षिण अफ़्रीका दौरे की तैयारियों की कमान संभालेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल :भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, पांच पदक पक्के हुए

ग्लास्गो (एजेंसी)। भारत के पांच और मुक्केबाजों ने यहां राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इससे भारत के पांच पदक पक्के हो गये हैं। वहीं इससे पहले चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया था। इससे भारत के कुल नौ पदक पक्के हो गये हैं। भारत के जिन पांच मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनायी है। उनमें अंकुश यादव, साक्षी चौधरी, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और नरेंदर बेरवाल जैसे मुक्केबाज शामिल हैं। इनसे पहले लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलो जबकि प्रिया घंघास ने 60 किलो, प्रीति पंवार ने 54 किलो और जादूमणि सिंह ने 55 किलो वर्ग में अपने पदक पक्के किये थे। इससे मुक्केबाजी में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर नौ पर आ गयी है।

भारत की साक्षी चौधरी ने 51 किलोवर्ग में उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5-0 से हराया। वहीं भारत की ही अरुंधति चौधरी ने 70 किलोवर्ग के एक कड़े मुकाबले में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग की बात करें तो पूर्व विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 60 किलो वर्ग में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को 5-0 से हराया। इससे उनका कांस्य पदक पक्का हो गया है। वहीं पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता अंकुश यादव ने पुरुष 80 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में सेशेल्स के जेड मिकोक को 5-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नरेंदर बेरवाल ने पुरुष 90 किग्रा से अधिक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में समोआ के माइकल सेको को 3-2 के फैसले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'उनकी कमी जरूर खलेगी': रहाणे के रिटायरमेंट पर बोले अंडर-17 के दिनों से कोच रहे पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में अजिंक्य रहाणे के योगदान पर गर्व जताते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और उनके लंबे समय तक कोच रहे प्रवीण आमरे ने अनुभवी बल्लेबाज को उनके इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा पर अपनी बात रखी। रहाणे ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर करके इंटरनेशनल क्रिकेट और सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा की, जिससे लगभग दो दशक लंबे उनके करियर का समापन हुआ।



आमरे ने कहा कि रहाणे के साथ उनका जुड़ाव तब शुरू हुआ था जब वह अंडर-17 स्तर पर खेल रहे थे और यह मुंबई रणजी टीम में उनके डेब्यू और उनके इंटरनेशनल करियर के दौरान भी जारी रहा। आमरे ने कहा, 'मुझे उनकी कमी जरूर खलेगी। अजिंक्य के साथ मेरा सफर पिछले 18 सालों से चल रहा है। मैं उनके अंडर-17 के दिनों से ही उनका कोच रहा हूं, जिसमें मुंबई रणजी टीम के लिए उनका डेब्यू भी शामिल है। मैंने उनका पूरा सफर देखा है। हालांकि यह दुखद है कि हम उन्हें अब भारतीय जर्सी में या मुंबई के लिए खेलते हुए नहीं देखेंगे लेकिन मुझे टीम इंडिया में उनके योगदान पर बहुत गर्व है।'

कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम कर चुके आमरे ने खेल के प्रति रहाणे के नजरिए और उनके मजबूत मूल्यों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम करने के बाद मैं कह सकता हूं कि एक कोच के तौर पर उनके साथ काम करना बहुत सुखद रहा। उन्होंने हमेशा खेल का सम्मान किया और मजबूत मूल्यों को बनाए रखा, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है। मुझे उनकी कमी खलेगी, लेकिन मुझे यकीन है कि उनकी 'दूसरी पारी' शानदार होगी।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का यह भी मानना है कि रहाणे में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की लीग में खेलना जारी रख सकते हैं। आमरे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि उनमें अभी भी एक-दो साल का क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की विभिन्न लीग में खेल सकते हैं। जब तक उनकी फिटनेस इजाजत देती है, मुझे लगता है कि उनके लिए खेलते रहना बेहतर होगा। उनका विशाल अनुभव (85 टेस्ट मैच और 200 IPL मैचों में 5,000 से ज़्यादा रन) बहुत कीमती साबित होगा। वह एक बेहतरीन कमेंटेटर या कोच बन सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह खेल से जुड़े रहेंगे।'

राष्ट्रमण्डल खेल : भारत के मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद में रजत पदक जीता

ग्लासगो । भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने यहां खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता है। मुरली ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। मुरली का ये राष्ट्रमण्डल खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले साल 2022 में भी मुरली ने इन खेलों में रजत पदक जीता था। मुरली के इस पदक के साथ ही इन खेलों में भारत के अब 13 पदक हो गये हैं। मुरली की ये जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साल 2024 में उन्हें एक गंभीर चोट लगी थी। जिससे वह पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए थे। इसके बाद भी श्रीशंकर ने रिहैब और कड़ी मेहनत के बाद वापसी करते हुए पदक जीता है। स्वर्ण पदक जमेका के ताजे गेल ने 8.15 मीटर की छलांग लगाकर जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर के प्रयास के साथ ही कांस्य पदक जीता। श्रीशंकर केवल 0.06 मीटर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाये। वहीं श्रीशंकर के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर करीब 10 पदक पक्के किये हैं। छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ये राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारतीय मुक्केबाजी का अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।मुक्केबाज अंकुश यादव के अलवा महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने जीत दर्ज की. वहीं अरुंधति चौधरी और सचिन सिवाच ने भी अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते हैं।



बांग्लादेश टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम के भी कप्तान बने लिटन दास



ढ़ाका । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज बांग्लादेश क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय और टी20 कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे लिटन को अब एकदिवसीय की कमान भी दी गयी है। लिटन को ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज की जगह कप्तान बनाया गया है। मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने अक्टूबर 2025 से जून 2026 के बीच लगातार चार एकदिवसीय सीरीज़ जीती थी। इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटाये जाने से सभी हैरान हैं। इसका कारण ये माना जा रहा है कि जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में बांग्लादेश टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। आंकड़ों पर नजर डालें तो मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने कुल 24 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें से 10 में जीत और 13 में हार मिली थी। पिछले पांच में से चार सीरीज़ जीतने के बाद भी जिम्बाब्वे से मिली हार को बोर्ड सहन नहीं कर पाय। इसी कारण कप्तानी में बदलाव किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने इस बड़े बदलाव के पीछे बोर्ड की सोच को स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड अब दो कप्तानों वाले मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीसीबी का मानना है कि तीनों प्रारुपों में तीन अलग कप्तानों के बजाय एक सफेद गेंद (एकदिवसीय और टी20) का और एक लाल गेंद (टेस्ट) का कप्तान होना सबसे सही रास्ता है। इस नई व्यवस्था के तहत लिटन अब सफेद गेंद के कप्तान होंगे, जबकि नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट टीम के कप्तान रहेंगे। युवा बल्लेबाज़ तौहीद हृदॉय को सीमित ओवरों का नया उप-कप्तान बनाया गया है, वहीं टेस्ट उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज के पास ही बरकरार रहेगी।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है भारतीय टीम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह श्रीलंका के खिलाफ दो मैचें की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए जो टीम घोषित की गयी है। उसमें युवा और अनुभवी दोने ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्यूयसीटी) 2027 फाइनल के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए इसमें जीतना जरुरी है। इसी सीरीज के लिए जो टीम बनायी गयी है। उसमें अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शामिल सभी खिलाड़ियों को बनाये रखा गया है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी उतर सकती है। यश्स्वी पहली बार श्रीलंकाई धरती पर पर टेस्ट खेलेंगे। उनके आंक्रामक अंदाज से भारतीय टीम को



अच्छी शुरुआत मिल सकती है। यशस्वी के जोड़ीदार प-कप्तान केएल राहुल संभलकर खेलते हुए पारी को संतुलन प्रदान करेंगे। वहीं मध्य क्रम में युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर अवसर मिल सकता है। चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल उतरेंगे। शुभमन इस समय अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ टीम को मिल सकता है। वहीं वापसी कर रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर उतरेंगे। उनक प्रयास अच्छी बल्लेबाजी कर टीम में जगह पक्की करना हरेगा। खराब फिटनेस और फार्म के कारण वह पहले ही सीमित ओवरों की टीम से बाहर हो गये हैं। वहीं विश्व के नंबर 1 टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। जडेजा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और गेंद व बल्ले से किये प्रदर्शन से टीम को संतुलन देंगे। ध्रुव जुरेल को भी अंतम ग्यारह में जगह मिलना तय है। जुरेल ने हाल ही में श्रीलंका में 'इंडिया ए' के लिए खेलते हुए एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

श्रीलंका की पिचों पर स्पिनरों की अहम भूमिका होती है, ऐसे में भारतीय टीम तीन प्रमुख स्पिनरों के साथ मैदान में उतर सकती है। बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपने टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लिए थे। उन्हें भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। स्पिन आक्रमण की कमान अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव करेंगे जबकि रवींद्र जडेजा तीसरे प्रमुख स्पिन विकल्प होंगे। तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह करेंगे, बशर्ते वह पूरी तरह फिट हों। बुमराह ने अपना आखिरी टेस्ट नवंबर 2025 में खेला था, और उनकी वापसी से भारतीय गेंदबाजी को जबरदस्त मजबूती मिलेगी। उनका साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज दूसरे तेज गेंदबाज होंगे, जो 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष और महिला टीमें , मलेशियाई टीमों से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम जीत के साथ ही यहां जारी 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी है। इस प्रकार भारत को दो पदक मिलने तय हो गये हैं। बुधवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में इन दोनो ने इंग्लैंड की टीमों को हराया। अब खिताबी मुकाबले में इन टीमों का मुकाबला मलेशिया से होगा। पुरुष टीम ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में आसानी से 3-0 से हराया। पहले मुकाबले में युवा खिलाड़ी मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मानव ठक्कर ने चोट के बाद भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से हराकर भारतीय टीम की बढ़त बढ़ी दी। हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से पराजित कर टीम की जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम को जीत के लिए जमकर संघर्ष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद, सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को एक बार फिर बढ़त दिलाई। चौथे और निर्णायक मुकाबले में, श्रीजा अकुला ने टिन-टिन हो के खिलाफ पांच गेम तक चले एक बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। श्रीजा ने 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 के स्कोर से ये मुकाबला अपने नाम कर भारतीय टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी।

बुमराह अपनी फिटनेस बनाये रखने के लिए स्वयं उपाय करें : मैक्ग्रा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। उनके लगातार चोटिल होने का खतरा बना रहता है जिससे भारतीय टीम को भी नुकसान होता है। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि बुमराह को अपना ध्यान स्वयं रखना होगा। मैक्ग्रा ने कहा कि बुमराह को अपनी फिटनेस बनाये रखने और अपने करियर को लंबा करने का तरीका स्वयं तलाशना होगा। मैक्ग्रा ने कहा, यह बुमराह पर ही निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। वे अभी युवा हैं, इसलिए उन्हें अपनी पारी को लंबा खींचने का कोई तरीका ढूंढना होगा। मैक्ग्रा ने बुमराह की चोटों का जिक्र करते हुए उन्हें एक बेहतरीन गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि बुमराह को यह तय करना होगा कि वे टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं या सिर्फ टी20 खेलना चाहते हैं। यह उनके शरीर और गेंदबाजी एक्शन पर भी निर्भर करेगा, क्योंकि जो गेंदबाज अपनी बांह को अधिक खींचते हैं, वे उस जोड़ पर थोड़ा ज्यादा दबाव डालते हैं। मैक्ग्रा ने सभी तेज गेंदबाजों से आग्रह किया कि वे बार-बार होने वाली चोटों से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने के बजाय तेज गेंदबाजी से जुड़े तनाव को स्वीकार करना सीखें। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि आजकल तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी जाती है। मैक्ग्रा ने समझाया, तेज गेंदबाज होना खेल की प्रकृति है। यह स्वाभाविक क्रिया नहीं है, इसलिए चोटें खेल का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षित रखने के बजाय, उन्हें तेज गेंदबाजी के दबाव से भी ज्यादा मजबूत होना चाहिए। उनका मानना है कि महीनों तक रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम करने से फिटनेस और ताकत कम हो जाती है, जिसकी भरपाई में लंबा समय लगता है। मैक्ग्रा ने बताया कि 1993 से 2007 तक के अपने लंबे टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कमर की गंभीर चोट लगी थी। उन्होंने कहा, जब मेरी कमर की मांसपेशी फट गई, तब मेरा वजन बहुत कम था। मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं यही करता रहा, तो मैं ज्यादा समय तक नहीं टिक पाऊंगा।

आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई । टी20 क्रिकेट में सबसे तेज़ अर्धशतक की बात करे तो अधिकतर प्रशंसकों की नजरें आक्रामक ऑलराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है। आशुतोष ने साल 2023 को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज़ टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया। उनकी यह पारी टी20 फॉर्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं', फाइनल में पहुंचकर नीरज चोपड़ा का बड़ा बयान

मुम्बई (एजेंसी)। ग्लासगो ¯ कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) फाइनल में 79 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ अपनी जगह पक्की करने के बाद भारत के ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने माना कि ठंड और तेज हवाओं ने मुकाबले को मुश्किल बना दिया था। हालांकि उन्होंने नतीजे पर खुशी जताई और कहा कि फाइनल बहुत जबरदस्त होगा जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन थ्रोअर हिस्सा लेंगे।

क्वालिफिकेशन पक्का करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि उनका मुख्य मकसद बहुत लंबा थ्रो करने के बजाय मेडल राउंड में पहुंचना था। क्वालिफ़ाइंग राउंड में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कहा, 'बहुत ठंड थी और हवा भी चल रही थी, लेकिन थ्रो ठीक था - 79 मीटर का थ्रो। मकसद फाइनल में पहुंचना और वहां अपना बेस्ट देना था, इसलिए मैं इस थ्रो से खुश हूं।' भारतीय स्टार ने बताया कि हवा के अनिश्चित रुख की वजह से एथलीटों के लिए क्वालिफिकेशन के दौरान अपने अप्रोच और रिलीज का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल हो गया था और कोई भी प्रतियोगी ऑटोमैटिक क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

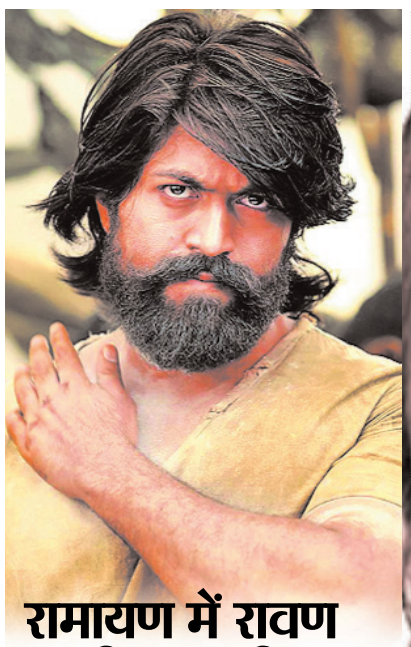
चोपड़ा ने आगे कहा, 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं। सिर्फ ठंड ही नहीं, बल्कि हवा भी बहुत तेज चल रही है। हवा सामने से भी नहीं आ रही थी, कभी-कभी यह साइड से आती है। यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि हमें कहां फेंकना है। कभी-कभी हम सोचते हैं, 'ठीक है, हम वहां फेंकेंगे', लेकिन तभी हवा दूसरी तरफ से आ जाती है। और आज कई थ्रोअर संघर्ष कर रहे हैं। किसी ने भी ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को नहीं छुआ। हालात मुश्किल थे, लेकिन हमें खुशी है कि तीनों भारतीय फाइनल में हैं।'

तीनों भारतीय जैवलिन थ्रोअर फाइनल में पहुंच गए हैं, जिससे देश को खिताब के फैसले वाले मुकाबले में कई मेडल की उम्मीदें हैं। फाइनल की ओर देखते हुए चोपड़ा ने मुकाबले में शामिल खिलाड़ियों की मजबूती को माना, जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन एथलीट और पेरिस ओलंपिक के साथी मेडलिस्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'हां, यह बहुत जबरदस्त मुकाबला होने वाला है। जैवलिन थ्रो जैसे इवेंट के लिए, यह सच में एक बहुत अच्छा फाइनल होगा। उम्मीद है कि कल हालात ठीक रहेंगे। सभी अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। देखते हैं कल क्या होता है।'

चोपड़ा ने श्रीलंका के उभरते हुए टैलेंट रुमेश की भी तारीफ की और कहा कि इस युवा खिलाड़ी का आगे आना दक्षिण एशिया में जैवलिन थ्रो के बढ़ते स्तर को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'वह इस



खेल में नया है, एक उभरता हुआ स्टार है। वह बहुत अच्छा थ्रो करता है। वह मेरा अच्छा दोस्त है। इस साल उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छी बात है कि हमारे पड़ोस में जैवलिन का खेल बढ़ रहा है। अच्छा लगता है कि उसने श्रीलंका के लिए कुछ शानदार किया है।'



रामायण में रावण का किरदार निभाने पर यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज़ से ज्यादा जरूरी था।'



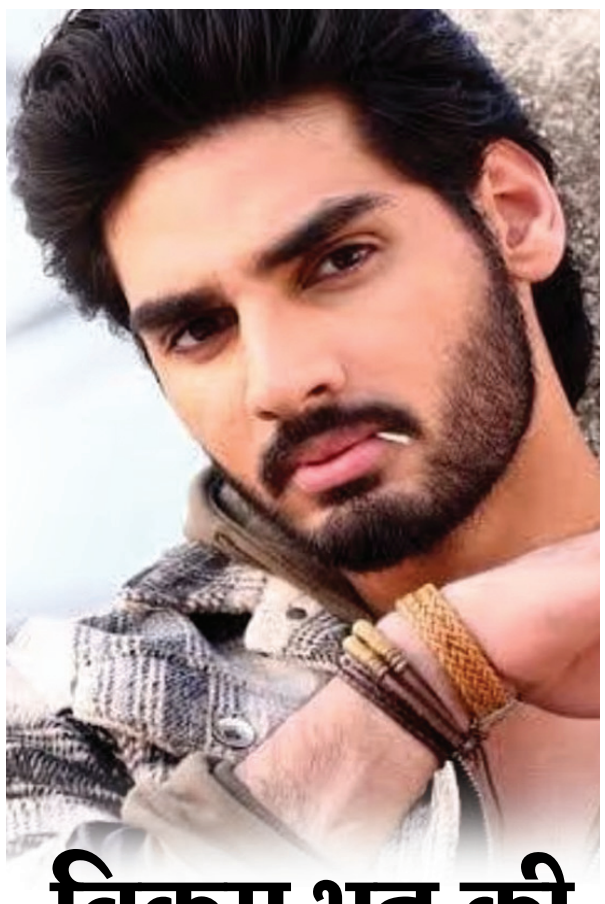
टेलीविजन में काम करना आसान नहीं, यहां कलाकारों को कम समय में अपना बेस्ट देना होता है

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।''

उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'



विक्रम भट्ट की '1920: कोल्ड...' से जुड़े अहान शेट्टी

अहान शेट्टी अब अपने करियर में नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने निर्देशक विक्रम भट्ट की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म '1920: कोल्ड विंटर' के लिए हामी भर दी है। यह अहान के करियर की पहली हॉरर फिल्म होगी। 'तड़प' से रोमांटिक-एक्शन हीरो के रूप में शुरुआत करने वाले अहान हाल ही में 'बॉर्डर 2' में भी दिखे थे। अब वह अलग-अलग जॉनर में खुद को साबित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। हालांकि, इस खबर पर अभी तक मेकर्स या एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है विक्रम की फिल्म

'1920: कोल्ड विंटर' फिलहाल स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। सूत्रों का कहना है कि अहान अपनी फिल्मोग्राफी को सीमित दायरे में नहीं रखना चाहते और इसी वजह से उन्होंने हॉरर जैसे जॉनर में दिलचस्पी दिखाई है। माना जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार अब तक निभाए गए रोल्स से अलग होगा।

फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश जारी

फिल्म के निर्माण से जुड़े सूत्रों का दावा है कि विक्रम और निर्माता आनंद पंडित इन दिनों फिल्म की लीड एक्ट्रेस की तलाश में हैं। मेकर्स किसी नए चेहरे के बजाय ऐसी एक्टेस को कास्ट करना चाहते हैं, जिसकी इंडस्ट्री में अच्छी पहचान हो। अगर सभी तैयारियां तय समय पर पूरी हो जाती हैं, तो फिल्म की शूटिंग नवंबर से शुरू किए जाने की प्लानिंग है। फिल्म की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी शूटिंग शुरू होने से पहले निर्माता-निर्देशक की टीम स्कॉटलैंड में लोकेशन रेकी करेगी। इसके बाद फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग शिमला की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर भी किए जाने की संभावना है। मेकर्स का मानना है कि इन स्थानों का माहौल फिल्म की सुपरनैचुरल कहानी को और प्रभावशाली बनाएगा।

'वाराणसी' मेरी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है



ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके साथ प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म अप्रैल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी। हाल ही में प्रियंका ने बताया कि वह पिछले 14 महीनों से इस फिल्म पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजामौली अपनी फिल्मों पर काफी समय देते हैं और 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर बेस्ड फिल्म है। प्रियंका ने बताया कि फिल्म में उन्होंने कई स्लो मोशन एक्शन सीक्वेंस भी किए हैं। इसके अलावा अपने एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से अलग है। प्रियंका ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म साइन करते समय उन्होंने राजामौली से कहा था कि भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं, इसलिए वह एक डांस सॉन्ग जरूर करना चाहती हैं।

'खलीफा' से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं मालविका शर्मा

मालविका शर्मा मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी नई पारी की शुरुआत फिल्म 'खलीफा' से करने जा रही हैं। यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और मोहनलाल जैसे दिग्गज कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वैशाख ने किया है, जबकि इसकी कहानी जिनु अब्राहम ने लिखी है। यह फिल्म 20 अगस्त 2026 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। निर्माताओं ने 'खलीफा' को दो पार्ट वाली फ्रेंचाइज के रूप में तैयार करने की योजना बनाई है। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिनकी शूटिंग लंदन, दुबई, केरल और नेपाल सहित कई देशों और लोकेशंस पर की गई है। फिल्म का पहला लिरिकल वीडियो 21 जुलाई यानि आज शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा। इसके साथ जारी टैगलाइन 'बदला सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा' कहानी के गंभीर और नाटकीय अंदाज की झलक देती है। बता दें कि मालविका इससे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों 'नेला टिकट', 'भीमा' के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, वैशाख और पृथ्वीराज की जोड़ी 'पोक्किरी राजा' के बाद दोबारा साथ आई है, जबकि लेखक जिनु अब्राहम मोहनलाल के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं।





लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं आरजे महविश

कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं।

एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था

रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही-गलत बहुत साफ-साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां-झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा

ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार-बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन-तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी।

फॉलोअर्स, फॉलोअर्स नहीं फैन हैं

रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा। असल में, एक क्रिएटर के सारे एक्सप्रेशंस बहुत ज्यादा बाहर होते हैं, जो लोगों को दिख चुके होते हैं। एक प्रोड्यूसर के लिए हैपी न्यूज है कि कोई क्रिएटर ऐक्टिंग करे। अगर ऑडियंस तक अपने जज्बात पहुंचा पाए तो आप ऐक्टर हैं। मेरे खयाल से यह बड़ी गुड न्यूज है कि अगर ऐक्टर अपने साथ ऑडियंस भी ला रहा है। वो पैसा रिकवर कर सकता है। वो कहते हैं ना कि पांच जानने वालों को अगर कॉल करें तो वो आकर नहीं खड़े होते हैं लेकिन मेरी एक स्टोरी पर पांच लाख अंजान लोग आकर खड़े हो जाते हैं। वो कम्युनिटी बहुत मेहनत से बिल्ड होती है। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं। हालांकि, ऐक्टिंग और कॉन्टेंट क्रिएशन बहुत अलग-अलग स्किल्स हैं। अगर स्किल सीखकर आ रहे हैं तो ही फायदा है, वरना नहीं।

कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है

रेडियो में आवाज से तो ऐक्टिंग में हाव-भाव और आंखों से इमोशन पहुंचता है। मेरे लिए दोनों ही मीडियम बहुत ईमानदार हैं। रेडियो में आप ऑडियंस से सीधे कनेक्ट होते हैं। अगर मैं किसी को फोन लगाकर कुछ पूछूंगी तो मुझे उनके जज्बात तुरंत मिल जाएंगे। उस पर मैं अपना रिएक्शन दे सकती हूं। ऐक्टिंग में पूरी कहानी किसी के द्वारा सोची गई होती है, जिसे सच करके दिखाना होता है। वो थोड़ी दिक्कत होती है क्योंकि रेडियो रिएलिटी है और ऐक्टिंग एक पूरी कल्पना है। मेरे हिसाब से कल्पना थोड़ी ज्यादा मुश्किल होती है। उसमें इमैजिन करके घुसना होता है। हालांकि, राइटर के तौर पर मेरे लिए चीजें आसान हो जाती हैं क्योंकि मैंने 2012 में खुद दो किताबें लिखी हैं। मैंने वो कल्पना वाली जिंदगी जी है इसलिए ऐक्टिंग भी मेरे लिए आसान है।

संक्षिप्त समाचार

जेतपुर में खिरसरा रोड पर भादर नदी के चेक डैम में डूबने से दो युवकों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। जेतपुर पंथक में भादर नदी के नर पाट चेक डैम पर एक दुखद घटना सामने आई है। खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम में नहाने गए दोस्तों में से दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई है। इस अचानक हुए हादसे से मरने वालों के परिवार वाले बहुत दुखी हैं और पूरे जेतपुर शहर में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक, जेतपुर के पास खिरसरा रोड पर नर पाट चेक डैम पर पांच से छह दोस्त नहाने गए थे। वे पानी में नहाने गए थे। लेकिन, पानी की गहराई या बहाव का अंदाजा न लगा पाने की वजह से इनमें से दो युवक गहरे पानी में डूब गए। हादसे में मरने वाले युवकों की पहचान वसीम परमार (उम्र 20) और कादिर डोढिया (उम्र 17, नाबालिग) के रूप में हुई है। जैसे ही यह खबर मिली कि युवक नदी में डूब रहे हैं, आस-पास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घटना की सूचना जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही जेतपुर नगर पालिका फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराक तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर डिपार्टमेंट और लोकल तैराकों की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव पानी से बाहर निकाले गए।



आप अपने आप को मत देखो ऊपर वाला सब देख रहा है - सरोज श्रीजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। मीडिया प्रभारी नितिन बुड़ावनवाला के अनुसार पूज्य महासति सरोज श्रीजी ने धर्मसभा में कहा कि जब तक इंसान कर्मों से बंधा है ऊपर उठने वाला नहीं है। जिन आत्माओं ने अपने कर्म मिटा दिये हैं वो ही आत्मा मोक्ष को प्राप्त करती है। अपनी पंचेन्द्रिय नाक, कान, आंख, शरीर, स्पर्श, जबान ये करना क्या चाहती है। इन विकारों को ग्रहण करके कर्म बांधना चाहती हैं। हम कोई भी कर्म करते हैं सोचते हैं कौन देख रहा है - पर आप अपने आप को मत देखो ऊपर वाला सब देख रहा है। हर इंसान को मन कहे वो पसंद है आत्मा कहे वो पसंद नहीं। संप्रदायवाद मिटाओगे तभी संसार को तिर सकते हो। आजकल कोई भी वस्तु हो या खाने पीने की चीज वो हम असली नहीं नकली वापर रहे हैं नकली भारत में और असली विदेशों में जा रहा है। जिसे स्वदेश से प्रेम नहीं उसका कोई वर्चस्व और मूल्य नहीं। सभी तीर्थंकर महाविदेहक क्षेत्र में रहते हैं सभी का साथ है। आज के युग में कोई भी एक दूसरे के साथ रहना पसंद नहीं करता है लोग बाहरी नाम और बाहरी वस्तु ज्यादा पसंद करते हैं। शादी ब्याह में खाने की वस्तु के नाम वेज कबाब, वेज बिरयानी रखने लगे हैं इससे क्या साबित करना चाहते हैं नई पीढ़ी कहां जा रही है।

उपलेटा में घर में चोरी के मामले का आरोपी 3 साल से राजकोट रूरल LCB की गिरफ्त में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। रेंज के IG निर्लिप्ता राय और जिला पुलिस चीफ विजयसिंह गुर्जर की तरफ से जिले के गैजेटेड और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एक खास कैंपेन चलाया जा रहा है। इसी कैंपेन के तहत राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच टीम को कामयाबी मिली है। LCB ब्रांच के स्टाफ को मिली टेक्निकल और खास प्राइवेट जानकारी के आधार पर, उपलेटा पुलिस स्टेशन के 2023 के घर में चोरी के मामले का एक आरोपी, जो पिछले तीन साल से फरार था, पकड़ा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम कलमसिंह उर्फ गुड़िया S.O. ज्ञानसिंह मेहड़ा (उम्र 33, इंदौर मार्ग के पास देपालपुर पावर ग्रिड का रहने वाला, अभी चामजार गांव, पिपलिया सीम, ता. कुक्षी, जिला धार, राज्य-मध्य प्रदेश, अभी उपलेटा में रहता है) है। यह आरोपी उपलेटा पुलिस स्टेशन में की धारा 454, 457, 380 के तहत चोरी के जुर्म में शामिल था। उसे उपलेटा कोलकी रोड नेशनल हाईवे सर्विस रोड के पास घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ के दौरान, उसने साल 2023 में उपलेटा में एक घर से सोने के गहने, कैश और पार्किंग से दो मोटरसाइकिल और अपना सामान चुराने की बात कबूल की। यह जुर्म करने के बाद से वह आज तक फरार था, जिसके कारण उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उपलेटा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।



अमेरिकी कांग्रेस चुनाव: डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमीश और पिया को दिया समर्थन; क्या रिपब्लिकन गढ़ में लगेगी सेंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी दो उम्मीदवार अमीश शाह और पिया दांडिया डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान में शामिल किए गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण वापस हासिल करने की कोशिश कर रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंगलवार को शाह और दांडिया समेत पांच उम्मीदवारों को अपने 'रेड टू ब्लू' अभियान में शामिल किया। इस अभियान के तहत उन उम्मीदवारों को संगठन और धन जुटाने में मदद दी जाती है, जो रिपब्लिकन के प्रभाव वाले क्षेत्रों में कड़ी चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति 30 ऐसे उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है, जिनके बारे में उसका मानना है कि वे नवंबर के चुनाव में रिपब्लिकन से अपनी सीटें छीन सकते हैं। अमीश शाह पेशे से चिकित्सक हैं और पहले राज्य प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह एरिजोना के पहले जिले से चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार और राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के पूर्व खिलाड़ी जे फीली से है। जे फीली को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला हुआ है। पिया दांडिया पहले हाईस्कूल की प्रधानाचार्य रह चुकी हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले से चुनाव लड़ रही हैं। यह क्षेत्र नए परिसीमन के बाद बनाया गया है और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव नहीं लड़ रहा है। भारत से अमेरिका आए माता-पिता की संतान पिया दांडिया ने पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं।

डेमोक्रेटिक अभियान समिति के प्रमुख ने क्या कहा : डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति की अध्यक्ष सुजान डेलबेने ने एक बयान में कहा, पिया एक कामकाजी मां हैं, जो नया भविष्य लिखना चाहती हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के लोगों के लिए अमेरिकी सपने को ज्यादा आसान बनाना चाहती हैं। इसके लिए वह महंगाई की समस्या से निपटने, सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसी जरूरी योजनाओं की रक्षा करने और रिपब्लिकन नेताओं को उनके अधूरे वादों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमीश शाह का अब तक का सियासी सफर कैसा रहा : अमीश शाह एरिजोना विधानसभा के तीन बार सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन वाली उम्मीदवार और पूर्व पत्रकार मार्लेन गैलन-वुड्स को हराया था।गैलन-वुड्स इस साल डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन के बावजूद चुनाव हारने वाली तीसरी उम्मीदवार हैं। इससे पहले कैलिफोर्निया की जस्मीत बैन्स और मेन के जो बाल्डाची भी पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद हार चुके हैं।

इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट नाम के संगठन ने कहा, हम अपने लोकतंत्र के भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं और



भारतीय-अमेरिकी नेता प्रतिनिधि सभा पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह संगठन भारतीय मूल के अमेरिकियों को सरकार के हर स्तर पर समान प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए काम करता है। अमीश शाह का जन्म शिकागो में गुजराती माता-पिता के घर हुआ था, जो 1960 के दशक में भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री हासिल की और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल से चिकित्सा की डिग्री ली। वह चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम का हिस्सा भी रहे। शाह के पिता जैन धर्म से हैं और उनकी मां हिंदू हैं।

पिया दांडिया कौन हैं : वहीं, पिया दांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी नागरिक हैं। उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने हाई स्कूल की प्रधानाचार्य, नीति विशेषज्ञ और तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली नवाचारकर्ता के तौर पर समुदायों को मजबूत करने का काम किया है।

पिया दांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की। बाद में हार्लेम में हाई स्कूल की प्रधानाचार्य बनीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों के जीवन को बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाना था। उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं। वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल की प्रधानाचार्यों में से एक रहीं।

प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के कितने सांसद हैं : मौजूदा प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भारतीय मूल के छह सांसद हैं। इनमें रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा और प्रमिला जयपाल शामिल हैं। रो खन्ना 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने की तैयारी में रुचि दिखा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति इलिनॉय से सीनेट चुनाव के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में हार गए थे।

पीओके में 14 मौतों के बीच पाक रक्षा मंत्री का विवादित बयान, प्रदर्शनकारियों को बताया भारत जैसा दुश्मन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बिगड़ते हालात और जारी हिंसा के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बेहद विवादित बयान देकर आग में घी डालने का काम किया है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 14 एक्टिविस्टों की मौत के बाद आसिफ ने प्रदर्शनकारियों की तुलना भारत से करते हुए उन्हें देश का दुश्मन करार दिया है।

भारत की तरह दुश्मन हैं प्रदर्शनकारी : एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीओके की सड़कों पर उतरे लोगों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, 'मैं इन प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें भी भारत की तरह ही दुश्मन मानता हूं। आसिफ ने प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनके इस बयान ने पीओके में पहले से ही आक्रोशित जनता के गुस्से को और भड़का दिया है।

मुजफ्फराबाद मार्च के दौरान भारी हिंसा : यह विवाद उस समय बढ़ा जब प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में करीब 5,000 लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पीओके विधानसभा में कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म किया जाए। जेएएसी का मानना है कि ये सीटें इस्लामाबाद को क्षेत्रीय राजनीति में अनावश्यक



दखल देने का मौका देती हैं। इसी मार्च के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 14 कार्यकर्ताओं की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पाक अधिकृत कश्मीर में आर-पार की जंग मृतकों में जेएएसी के संस्थापक सदस्य उमर नजीर के भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। संगठन का आरोप है कि पाक सेना और पुलिस ने निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के पास आधुनिक हथियार थे और उन्होंने ही सुरक्षा बलों को निशाना बनाया, जिसके बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। भारत ने जताई कड़ी आपत्ति पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के आर्थिक शोषण और प्रशासनिक दमन का नतीजा हैं। भारत ने पाकिस्तान द्वारा कराए जा रहे चुनावों को 'दिखावटी कवायद' बताते हुए दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

ट्रंप प्रशासन का चीन पर बड़ा प्रहार : ह्यूमनॉइड रोबोट्स के आयात पर लगाया प्रतिबंध, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बताया बड़ा ख़तरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स क्षेत्र में बढ़त हासिल करने की होड़ के बीच ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को अमेरिका में ह्यूमनॉइड रोबोटों के नए आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि ये आधुनिक रोबोट देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। किन-किन तकनीकों और उपकरणों पर लगा बैन? अमेरिकी संघीय संचार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह प्रतिबंध निम्नलिखित उन्नत तकनीकों पर लागू होगाः उन्नत रोबोटिक्सः इसमें इंसानों की तरह दिखने वाले 'ह्यूमनॉइड' और चार पैरों वाले रोबोट्स शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश का निर्माण चीन में होता है।

पावर इन्वर्टरः एफसीसी ने डेटा सेंटर और सोलर पैनलों में इस्तेमाल होने वाले पावर इन्वर्टर के आयात पर भी रोक लगा दी है।

एफसीसी की कवर्ड लिस्ट में शामिल : एफसीसी ने इन ह्यूमनॉइड रोबोटों और पावर इन्वर्टरों को अपनी आधिकारिक 'कवर्ड लिस्ट' में शामिल कर लिया है। इस सूची में केवल उन्हीं विदेशी वस्तुओं और सेवाओं को रखा जाता है जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए संभावित ख़तरा माना जाता है। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए कहा कि एजेंसी अमेरिका के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सप्लाई चेन को पूरी तरह से सुरक्षित करने के लिए अपनी ज़िम्मेदारी निभा रही है। रोबोटिक्स और एआई के क्षेत्र में वैश्विक वर्चस्व की इस जंग में अमेरिका का यह कदम काफी आक्रामक माना जा रहा है। हालाँकि, इस नए प्रतिबंध और एफसीसी के फैसले पर अभी तक चीन की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अमेरिका-सऊदी ने इराक में हवाई हमले किए, ईरान समर्थित पीएमएफ के 8 लड़ाके मारे गए; जवाब में ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान/वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। वहीं, इराक की पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स का दावा है कि इन हमलों में उसके 8 लड़ाके मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

उधर, सऊदी अरब ने अपने पूर्वी प्रांत के तेल ठिकानों की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया। वहीं, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज



स्ट्रेट में तीन तेल टैंकर रोकने का दावा किया है। इसके अलावा, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक सऊदी तेल टैंकर पर बैलिस्टिक मिसाइल दागने की बात कही है।

जॉर्डन बोला- ईरान की 5 बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराईं : जॉर्डन की सेना ने कहा है कि बुधवार तड़के ईरान से दागी गई 5 बैलिस्टिक मिसाइलों को उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही इंटरसेप्ट कर मार गिराया। सेना के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन के इलाके को निशाना बनाकर दागी गई थीं। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया था कि उसने जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के सेंटर पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

लगातार हो रहे ड्रोन हमले : अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने बताया है कि यह बड़ी कार्रवाई लगातार हो रहे ड्रोन हमलों के कड़े जवाब में की गई है। पिछले 72 घंटों में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (इक्त्तष्ट) के निर्देश पर 30 से भी ज्यादा खतरनाक ड्रोन हमले किए गए। इसके जवाब में दोनों देशों के लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में कई आतंकवादी ठिकानों और सामान पहुंचाने वाले रास्तों पर भारी बमबारी की। इससे पहले सऊदी अरब ने इराक से उड़ाए गए उन कई ड्रोन्स को भी रास्ते में ही मार गिराया था जो तेल सुविधाओं की ओर आ रहे थे। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने यह पूरी तरह स्पष्ट किया है कि सऊदी अरब इस क्षेत्र में किसी भी तरह का कोई तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। लेकिन उसके देश या उसकी संपत्तियों के खिलाफ होने वाले किसी भी आतंकी हमले का वह बहुत ही माकूल और कड़ा जवाब जरूर देगा। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान कई बार सऊदी अरब को सीधे तौर पर अपना निशाना बना चुका है। लेकिन अब तक सऊदी अरब ने ज्यादातर मामलों में किसी भी तरह का सीधा सैन्य जवाब देने से काफी ज्यादा परहेज ही किया था।

कुमामोटो में भूकंप से हुई तबाही पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को मदद का दिया भरोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़?त लोगों के प्रत?? संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश?कि?ल घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया। मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से जो तबाही हुई है, उससे प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। राहत और बचाव के काम में दिन-रात जुटे सभी लोगों का भी आभार, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।'' मेलोनी ने कहा कि? मेरी मित्र प्रधानमंत्री साने तकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से हमारी एकजुटता और पूरा समर्थन है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभाग से मिली जानकारी में बताया गया कि एयॉन मॉल कुमामोटो की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा गिर गया है और कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दमकलकर्मी स्थिति की जांच करने और बचाव अभियान चलाने में जुटे हुए थे। सिन्हुआ समाचार की जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि घायलों की संख्या और उनकी हालत के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शाम करीब छह बजे स्थानीय समय पर कई आपातकालीन कॉल मिलीं। कॉल करने वालों ने बताया कि एयॉन मॉल कुमामोटो से विस्फोट जैसी आवाज आई और सफेद धुआं उठता दिखाई दिया। यात्सुशिरो स्टेशन पर एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई, हालांकि ट्रेन चालक को कोई चोट नहीं आई। रिपोर्टों के मुताबिक, कुमामोटो में करीब 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय दमकल विभाग को कई लोगों के अपने घरों के अंदर फंसे होने की सूचना भी मिली है।

क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम करीब 4:27 बजे आया। इसकी गहराई लगभग दस किलोमीटर थी। जापान की मौसम एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय पैमाने पर अधिकतम सात दर्ज की गई।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में एरिएक सागर और यात्सुशिरो सागर के लिए एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

ट्रंप से मिले जेलेंस्की और नेतन्याहू, यूक्रेन युद्ध और ईरान संकट पर हुई अहम बातचीत



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। ये बातचीत ऐसे समय हुई जब अमेरिका दो युद्धों और उनसे जुड़े कठिन कूटनीतिक फैसलों का सामना कर रहा है। दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में बंद दरवाजों के पीछे हुईं। व्हाइट हाउस ने किसी भी बैठक में मीडिया को शामिल नहीं किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी बैठकें पूरी कर ली हैं। दोनों बैठकें सकारात्मक और अच्छी रहीं। जेलेंस्की सुबह करीब 9:40 बजे व्हाइट हाउस पहुंचे और वेस्ट विंग के एक साइड एंट्रेंस से अंदर गए। रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू दोपहर करीब 12:25 बजे वहां से रवाना हुए। बाद में इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्रंप और नेतन्याहू की साथ में तस्वीरें जारी कीं। एक इजरायली अधिकारी ने बैठक को 'बहुत सकारात्मक' बताया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों नेताओं की बातचीत में ईरान के साथ युद्ध, लेबनान से जुड़ी बातचीत और अब्राहम समझौते को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा होने की उम्मीद थी। नेतन्याहू से उम्मीद थी कि वे ट्रंप को ईरान की कथित गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी देंगे। इसमें पिकैक्स माउंटेन नाम की एक भूमिगत जगह भी शामिल थी, जिसके बारे में माना जाता है कि उसका संबंध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से है। हालांकि, ट्रंप इस बात से नाराज दिखे कि इजरायली नेता ने अपनी योजना के बारे में पहले ही सार्वजनिक रूप से बता दिया था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, 'मैंने सुना कि नेतन्याहू ने इसकी घोषणा कर दी। मैंने कहा, 'आप मुझे ही क्यों नहीं बता देते? इसे पूरी दुनिया को बताने की क्या जरूरत थी? अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि वे ईरान के साथ दोबारा बातचीत के पक्ष में हैं, जबकि इजरायल ईरान पर लगातार दबाव बनाए रखने की बात करता रहा है। ट्रंप ने सोमवार को माना था कि दोनों देशों के बीच कुछ मतभेद हैं। उन्होंने कहा था, 'हमारे बीच थोड़ा अंतर है, लेकिन हम काफी करीब हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान किसी समझौते पर नहीं पहुंचता है, तो अमेरिका पुलों और बिजली संयंत्रों जैसे ठिकानों पर हमला कर सकता है।

जगद्गुरु सनातन सम्राट स्वामी चक्रपाणि जी महाराज की आरती पूजन के साथ दिल्ली में मनाया गया भव्य गुरु पर्व महोत्सव

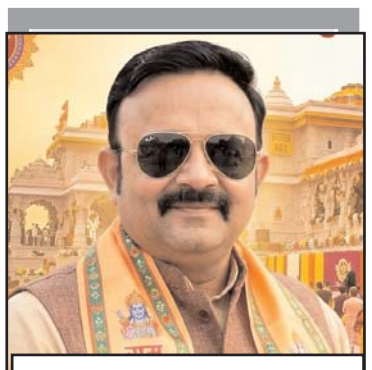
महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश हिन्दू महासभा की ओर से केंद्रीय कार्यालय हिन्दू महासभा भवन, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे भगवान शिव के अभिषेक, हवन एवं पूजन से प्रारंभ होकर सायं 4:00 बजे तक चला, जिसमें देशभर के हर क्षेत्र और हर भाषा के लोगों ने भाग लिया। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व सनातन परंपरा में गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना के साथ जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के सान्निध्य में हज़ारों श्रद्धालुओं ने गुरु तत्व की महिमा का अनुभव किया। कार्यक्रम की शुरुआत में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने सर्वप्रथम चक्रेश्वर हिंदेश्वर महादेव पर पुष्प एवं जल अभिषेक किया तथा वेद व्यास जी एवं सप्तऋषियों को नमन किया। इसके पश्चात वे अपने आसन पर विराजमान हुए, जिसके बाद भक्तों ने उनका स्वागत, पूजन एवं दर्शन किया। ठ्ठ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी नगर विधानसभा से विधायक एवं दिल्ली विधानसभा के सचेतक (चीफ व्हिप) श्री अभय वर्मा जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अनेक गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री अभय वर्मा जी ने अपने वक्तव्य में स्वामी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं की कृपा से वे विधायक बने, मंत्री रहे और आज सचेतक के पद पर रहकर सेवा कर रहे हैं तथा हर बार स्वामी जी का गुरु रूप में आशीर्वाद मिलता है। स्वामी जी ने उन्हें भरपूर आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अत्यंत सहज, सरल हैं तथा सदैव समाज के साथ खड़े रहते हैं। स्वामी जी ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि वे इसी प्रकार समाज की सेवा करते रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्थापक दिल्ली प्रदेश हिन्दू महासभा अध्यक्ष श्री शिवा गोस्वामी एवं महामंत्री श्री कुलदीप श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. इंदिरा तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेश रैना एडवोकेट, विधि प्रकोष्ठ संयोजक एडवोकेट उज्ज्वल कुमार तथा उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी सिंह भी उपस्थित रहीं। इसी अवसर पर एम्स कर्मिक संगठन के अध्यक्ष श्री संत कुमार जी भी स्वामी जी का आशीर्वाद लेने पहुंचे। इसी क्रम में तमिलनाडु से संत महासभा के राष्ट्रीय सचिव श्री रामस्वामी जी के नेतृत्व में भरतनाट्यम की गुरुओं एवं बच्चों ने अपनी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। तमिलनाडु से पधारे भरतनाट्यम कलाकारों एवं संत महासभा के सदस्यों में श्री रामस्वामी जी, शणमुगम, महेंद्रन, रघु, किशोर कुमार, भास्कर, रामकृष्णन, उमाशंकर, जगन्नाथन, भाग्यलक्ष्मी, अंबिअप्पन, कार्तिक, डिल्लीबाबु एवं इंबरासन का नाम उल्लेखनीय है। अपने संबोधन में स्वामी जी ने कहा कि नृत्य-संगीत में परमात्मा का वास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की इस प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया, जिसे देखकर कलाकार भी अत्यंत प्रसन्न हुए तथा उपस्थित जनसमूह की उत्सुकता देखते ही बनती थी। इसके पश्चात जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज, डॉ. इंदिरा तिवारी एवं मुख्य अतिथि श्री अभय वर्मा जी ने सभी बच्चों को सम्मानित किया। उपस्थित स्वामी श्री राम एवं कार्यक्रम के संचालक राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रह्म ऋषि बीके शर्मा हनुमान जी समेत सभी लोगों ने स्वामी जी के चरण पूजन एवं आरती कर गुरु पूजन के साथ गुरु पर्व मनाया। कार्यक्रम में सनातन हिन्दू धर्म एवं संगठन को मजबूत करने हेतु कुछ संगठनात्मक घोषणाएं भी की गईं, जिनकी औपचारिक घोषणा शीघ्र ही जगद्गुरु जी द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्री विजय कृष्ण पांडे जी, हरियाणा संयोजक श्री जगविजय, गौतम बुद्ध नगर जिला



अध्यक्ष चौधरी रणबीर प्रधान जी, श्री बृजपाल राठी जी, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गौरव राठी, श्री प्रमोद एडवोकेट, श्री बागेश, हिमांशु, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनुपम मिश्रा, संगठन मंत्री श्री राजकुमार सिंह, हरियाणा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री संजय जी, मथुरा जिला अध्यक्ष श्री रघुवीर पहलवान, उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री श्रीकांत पांडेय, डॉ. देवाशीष ओझा, डॉ. सोम प्रकाश, डॉ. अरुण सिन्हा, श्री सुजीत सिंह, श्री अरुण त्रेहन तथा श्री पवन कुमार सहित हज़ारों लोग उपस्थित रहे। तत्पश्चात गुरु पूजन किया गया एवं भंडारे का आनंद लिया

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है।

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।



बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में ह्यडिजिटल अरेस्टह्ण को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

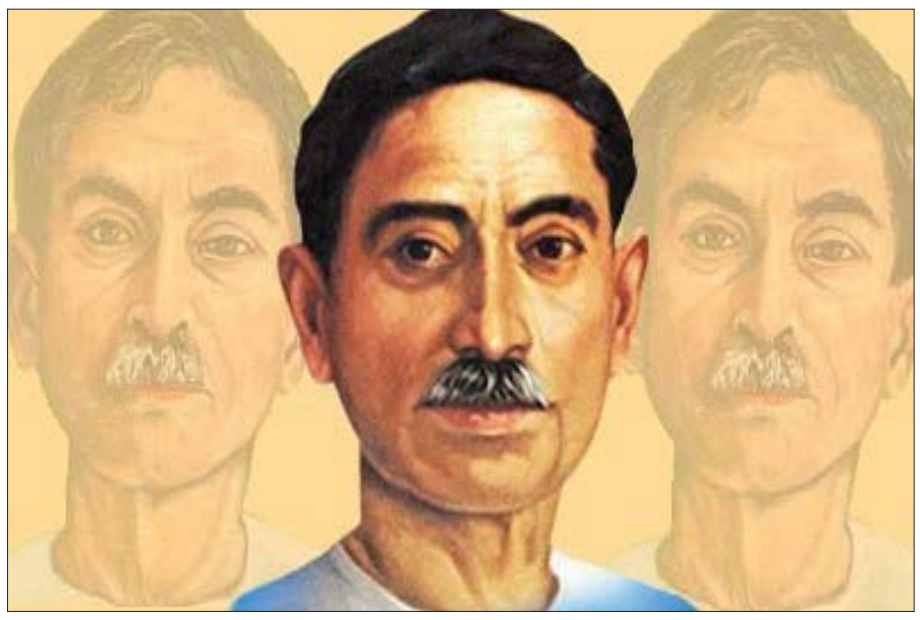
साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत



दिलीप कुमार पाठक

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग द्रष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले



मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं।

अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

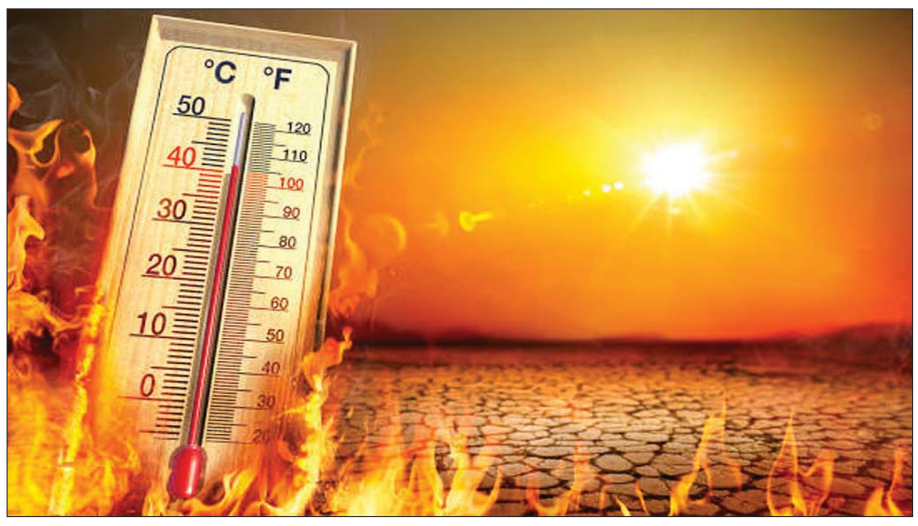
धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा



सुनील कुमार महला

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख



(430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।